25/-₹

हिन्दी साप्ताहिक

# विश्वकर्मा किरण

वर्ष-18 अंक-46 जौनपुर 14 दिसम्बर, 2017 http://www.vishwakarmakiran.com

## विश्वकर्मा समाज साधु-सन्त सम्मेलन

## हौंसले से मिली सफलता

COLLEGE CODE 2676

www.drprvishwakarmaiti.com

ISO 9001-2015 Certified

NCVT भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

# डा० पाँचू राम विश्वकर्मा आई०टी०आई०

पड़रच्छाकोट, डोभी, जौनपुर (उ०प्र०)

**ट्रेड**

* इलेक्ट्रीशियन
* फिटर

## प्रबन्ध समिति

Dr.P.R.Vishwakarma
M.Sc.(Math), Phd.

Nanhku Ram Vishwakarma
M.Sc., B.Ed.

Tribhuwan Vishwakarma
M.A.

Pawan Vishwakarma
B.E., M.Tech.

Anjani Vishwakarma
B.Sc., PGDCA, MBA

Mob.No. 7309062004 , 7860222714

R.N.I. No.- UPHIN/2000/01157
**विश्वकर्मा किरण**
**हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका**

वर्ष- 18 अंक- 46
जौनपुर, 14 दिसम्बर, 2017
पृष्ठः 32 मूल्यः 25/- रूपया

**प्रेरक**
रघबीर सिंह जांगड़ा
मो0: 9416332222
*****
**सम्पादक**
कमलेश प्रताप विश्वकर्मा
मो0: 9454619328
*****
**सह सम्पादक**
विजय कुमार विश्वकर्मा
मो0: 8763834009
*****
**समन्वय सम्पादक**
शिवलाल सुथार
मो0: 8424846141
*****
**जौनपुर ब्यूरो**
संजय विश्वकर्मा
मो0: 9415273179

**-:सम्पर्क एवं प्रसार कार्यालयः-**
ई-1/351, विनयखण्ड, गोमतीनगर
लखनऊ। 226010

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कमलेश प्रताप विश्वकर्मा द्वारा अजन्ता प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स, अहमद काम्प्लेक्स, गुईन रोड, अमीनाबाद, लखनऊ से मुद्रित एवं 98, नारायण निवास, नखास, सदर, जौनपुर से प्रकाशित।
**सम्पादक- कमलेश प्रताप विश्वकर्मा**

website: www.vishwakarmakiran.com
E-mail: news@vishwakarmakiran.com

**-:मुख्य संरक्षकः-**
**विश्वकर्मा जागरूकता मिशन**

## सम्पादकीय...

कमलेश प्रताप विश्वकर्मा

# विश्वकर्मा साधु-सन्त सम्मेलन के मायने

सन्त समाज एक ऐसा समाज है जो सम्पूर्ण मानव समाज को दिशा देता है, और बात जब विश्वकर्मा समाज के साधु-सन्त सम्मेलन की हो तो विश्वकर्मा समाज को दिशा मिलना आसान हो जाता है। साधु-सन्त वास्तव में त्याग और प्रेरणा की प्रतिमूर्ति होते हैं। समाज में बदलाव वही ला सकता है जो त्याग कर सके, जो त्याग नहीं कर सकता, वह बदलाव की बात करता है तो निश्चित ही झूठ और फरेब से परिपूर्ण होगा। कई दशकों से विश्वकर्मा समाज की 'एकता' और 'अखण्डता' की रट लगाये देश के हजारों संगठन यदि पहले ही सन्त समाज को आगे लाकर विश्वकर्मा समाज की 'एकता' का प्रयास किये होते तो सन्तोषजनक सफलता निश्चित मिली होती।

विश्वकर्मा साधु-सन्त सम्मेलन के रास्ते जो सामाजिक बदलाव को कोशिश हो रही है, इसके पीछे कुछ बुद्धिजीवियों की सकारात्मक सोच की एक बड़ी भूमिका है, जो एकता और अखण्डता की सूत्रधार बन रही है। पूरे देश का विश्वकर्मा समाज कई दशकों से 'एकता' की रट लगाये गलियों में भ्रमण कर रहा है, वह किसी बैठक के रूप में हो या सम्मेलन के रूप में। 'एकता' के नाम पर देश में हजारों संगठन खड़े हो गये और एकता की बजाय अनेकता बढ़ती चली गई। धीरे-धीरे स्थिति यह हो गई कि हम 'जागते' हुये भी 'सो' रहे हैं। संगठनों की स्थिति यह हो गई कि उन्हें पदाधिकारी तक नहीं मिल रहे हैं। बड़ा हास्यास्पद लगता है जब किसी एक व्यक्ति के पास कई संगठनों की जिम्मेदारी होती है। विश्वकर्मा समाज के नाम पर बनें संगठनों में एक ही व्यक्ति किसी संगठन का महासचिव है तो किसी का उपाध्यक्ष, किसी संगठन में सचिव है तो किसी का कार्यवाहक अध्यक्ष। व्यक्ति के पास भी दूरदर्शिता नहीं, वर्ना वह एक संगठन में रहते हुये किसी दूसरे संगठन की जिम्मेदारी लेने से मना कर देता। सही मायने में इन संगठनों ने आज तक कोई सामाजिक कार्य किया ही नहीं, वर्ना समाज की दिशा बदलने के लिये आज सन्त समाज को आगे न आना पड़ता।

मैं विश्वकर्मा समाज के साधु-सन्तों से भी विनम्रता के साथ अनुरोध करता हूं, जब वह सामाजिक दिशा बदलने के लिये आगे आ गये हैं तो उन्हें भी संकल्पित होना पड़ेगा। उनका संकल्प होना चाहिये, पूरे देश में विभिन्न उपनामों से आच्छादित सम्पूर्ण विश्वकर्मा समाज को एकता के सूत्र में पिरोकर 'विकास' की माला आशिर्वाद स्वरूप गले में डाल दें जिससे सदियों तक विश्वकर्मावंशियों की अमिट पहचान बनी रहे।

# विश्वकर्मा समाज साधु-सन्त सम्मेलन में
# अमृतवाणी की बरसात

डाकोर। श्री विश्वकर्मा ज्ञान सत्संग समिति, गुजरात के तत्वावधान में श्री विश्वकर्मा मंदिर ट्रस्ट, डाकोर द्वारा आयोजित भगवान विराट श्री विश्वकर्मा वंशज समाज विकास मंथन पंचान्हिका साधु-सन्त सम्मेलन का आयोजन किया गया। डाकोर की पवित्र भूमि पर बना 102 वर्ष पुराना भगवान विश्वकर्मा मन्दिर इस सम्मेलन का मुख्य स्थल रहा। सम्मेलन में देश के विभिन्न प्रदेशों से विश्वकर्मा वंशज के साधु-सन्त, विचारकों, कथाकारों, शिक्षाविदों एवं समाज सेवकों ने भाग लिया। विश्वकर्मा वंशज के साधु-सन्तों में प्रमुखतः स्वामी शिवात्मानन्द परमानन्द सरस्वती जी (कर्नाटक), श्रीराम कथा व्यास भगवान चैतन्य बापू जी (उज्जैन), सन्त अमरदास जी बापू विश्वकर्माचार्य (गुजरात), स्वामी नित्यानंद जी (अहमदाबाद) विश्वकर्माचार्य जगदीश गुरु जी (उज्जैन) विश्वकर्माचार्य अभयदास जी महाराज (जयपुर) सहित अनेक साधु-सन्त, विद्वतजन, समाजसेवियों का जमावड़ा था।

गुजरात के सुप्रसिद्ध यात्रा धाम डाकोर की पावन भूमि पर निर्मित 102 वर्ष पुराना भगवान विराट विश्वकर्मा मंदिर में विश्वकर्मा वंश की अस्मिता विस्थापित करने हेतु भगवान विश्वकर्मा का महिमा गान व धर्म जागरण किया गया। धर्म के रास्ते पर चलकर समाज के उत्थान और सांस्कृतिक परम्परा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किया गया प्रयास प्रशंसनीय रहा। पंचान्हिका महोत्सव में मध्य प्रदेश से वरिष्ठ समाजसेवी वी0के0 विश्वकर्मा 'पांचालरत्न', भोपाल के मार्गदर्शन और प्रदेश महामंत्री तथा मध्यप्रदेश प्रभारी रमेश विश्वकर्मा (नेताजी) के नेतृत्व में विश्वकर्मा पांचाल जांगिड़ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष व सुप्रसिद्ध वास्तु सलाहकार शरद शर्मा (वास्तुशास्त्र) प्रान्तीय विश्वकर्मा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष रामजतन विश्वकर्मा (वरिष्ठ समाजसेवी), पांचाल समाज के वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्व पार्षद सुरेश पंचाल एवं हरेन्द्र पंचाल सहित 15 प्रतिनिधियों के साथ सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन में रमेश विश्वकर्मा (नेताजी) ने अपने विचार रखते हुए कहा कि इस

तरह के सम्मेलनों से समाज में जागृति आएगी और अपने पूर्वजों के बारे में जानकारी मिलेगी इससे समाज लाभान्वित होगा। इस तरह का पंचान्हिका महोत्सव सम्मेलन मध्य प्रदेश में भी आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। वी0के0 विश्वकर्मा ने अपने ओजस्वी एवं क्रांतिकारी विचार रखते हुए कहा कि गुजरात की पावन धरती, डाकोर की पवित्र मिट्टी की दिये की रोशनी से उजाला आएगा। देख लेना इसका उजाला पूरे देश के कोने-कोने में जाएगा। आयोजन समिति की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि सम्मेलन की जितनी भी प्रशंसा की जाए उतना ही कम है। आइये, हम सब मिलकर चलें एकीकरण से सत्ता की ओर।

भगवान विराट श्री विश्वकर्मा वंशज समाज विकास मंथन पंचान्हिका का साधु संत सम्मेलन डकोर में भव्य एंव विशाल पैमाने पर तैयारी की गई थी। निवास और भोजन की अच्छी व्यवस्था की गई थी। किसी सामाजिक बंधुओं को कोई परेशानी न हो उसका ख्याल रखते हुये विशेष प्रबंधन किये गये थे। इस शुभ अवसर पर पधारे वरिष्ठ समाजसेवियों एवं विद्वतजनों का भी शाल, प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पुसद से वरिष्ठ समाजसेवी व सम्पादक हरिप्रसाद विश्वकर्मा, मुम्बई से दिनेश विश्वकर्मा, सन्तलाल विश्वकर्मा, राधेश्याम विश्वकर्मा, चन्द्रकेश विश्वकर्मा, जीत विश्वकर्मा, मध्यप्रदेश से मुकेश विश्वकर्मा, दयाल विश्वकर्मा, शिवराज ओझा, मनोज ओझा आदि लोग भी सन्त सम्मेलन में पहुंचे।

आयोजन समिति के मुख्यतः रमेश भाई, चंद्रवदन भाई, आनंद भाई, अमृत भाई, भरत भाई के साथ अन्य ट्रस्टी एंव समस्त सदस्यगण सहित बड़ी संख्या में गुजरात के साथ मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, गोवा सहित प्रदेशों के समाजजन उपस्थित थे। इस सन्त सम्मेलन ने पूरे देश में सामाजिक एकता की बड़ी मिशाल पेश की है।

'सन्त सम्मेलन में आयोजकों द्वारा आगन्तुकों के लिये जो व्यवस्था की गई थी वह बहुत ही सराहनीय रही। सूचना पर एक-एक व्यक्ति के लिये स्थल तक पहुंचने के लिये साधन, भोजन व रूकने की समुचित व्यवस्था की गई थी। मैंने ऐऐ कार्यक्रम में इस तरह की व्यवस्था पहली बार देखा। आयोजकगणों को बहुत-बहुत बधाई।' **-हरिप्रसाद विश्वकर्मा**

साधु-सन्त सम्मेलन में आये श्रद्धालुओं ने सन्तगणों का सम्मान किया।

आयोजकगणों द्वारा साधु-सन्त सम्मेलन में आये वरिष्ठ समाजसेवियों का भी सम्मान किया गया।

'डाकोर जी विश्वकर्मा मन्दिर में स्थापित भगवान श्री विश्वकर्मा जी की मूर्ति का स्वर्ण श्रृंगार किया जायेगा।'

-भरत सुथार

गुजरात के डाकोर में सम्पन्न हुये साधु-सन्त सम्मेलन के पहले कर्नाटक में भी सन्तों का बहुत बड़ा जमावड़ा हुआ था।

# आईपीएस सांगाराम जांगिड़ की रीयल स्टोरी अब रूपहले पर्दे पर

## 17 नवम्बर को रिलीज हो चुकी है तमिल फिल्म 'धीरन', हिन्दी में भी डब करने की तैयारी

चेन्नई। काल्पनिक फिल्में तो बहुत बनती हैं, पर वास्तविक घटना पर बनी फिल्मों की बात ही दीगर होती है। फिल्म में दिलचस्पी तब और बढ़ जाती है, जब फिल्म की पटकथा का असली हीरो सामने होता है। हम बात कर रहे हैं तमिल फिल्म 'धीरन' की, जो अभी 17 नवम्बर को रिलीज हुई है। यह फिल्म एक ऐसे पुलिस अधिकारी की भूमिका पर बनाया गया है जिसने कुख्यात बावरिया गैंग का सफाया किया और राष्ट्रपति के हाथों गैलेन्ट्री अवार्ड प्राप्त कर पुरस्कृत हुआ। वह पुलिस अधिकारी मौजूदा समय में तलिनाडु का डीजीपी है जिसका नाम 'सांगाराम जांगिड़' है।

यह फिल्म सिर्फ एक फिल्म ही नहीं, पुलिस अधिकारियों के लिये प्रेरणास्त्रोत भी है। वर्तमान परिवेश में आम जनता के बीच पुलिस की जो छवि है उससे सभी वाकिफ हैं। सांगाराम जांगिड़ जैसे बिरले पुलिस अधिकारी मिलते हैं। फिल्म का तात्पर्य इतिहास से जुड़ा होता है। इतिहास उसे कहते हैं जिसकी 'इति' हो चुकी होती है, पर यहां जो भी है, सब सजीव है। इस फिल्म के रिलीज होने के बाद सांगाराम जांगिड़ का सीना चौड़ा तो हुआ ही होगा साथ ही देश का विश्वकर्मावंशी भी उनके नाम पर गर्व महसूस कर रहा है।

राजस्थान प्रदेश के बाड़मेर जिले के मूल निवासी सांगाराम जांगिड़ तलिनाडु कैडर के आईपीएस हैं। उनकी कार्य कुशलता से प्रभावित तमिलनाडु सरकार ने बावरिया गिरोह का सफाया करने की जिम्मेदारी उन पर छोड़ दी थी। बावरिया गिरोह 1995 से लेकर 2005 तक तमिलनाडु, हरियाण, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के लिये सिरदर्द बन गया था। इस गिरोह से लोगों में इतनी दहशत थी कि इसका सफाया लाजमी हो गया था। आईपीएस सांगाराम जांगिड़ इस घटनाक्रम के बारे में बताते हैं, ''घटनाक्रम 1995 से 2005 के बीच का है। यहां एक विधायक की हत्या हो गई थी। उस समय तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश सहित पांच राज्यों में कई हत्याएं हुई। मुझे इस केस की जिम्मेदारी मिली। जांच के दौरान हमें एक राजस्थानी जूती मिली। इसे देखते ही मुझे अंदाजा हो गया कि यह मामला कहां से ट्रेस हो सकता है। फिर इस मामले को लेकर दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान में तलाश करते रहे। भरतपुर के रूपावास में लक्ष्मण बावरिया ट्रेस हुआ और इसके बाद आगरा जेल में ओमा बावरिया। फिर एक-एक कर गैंग के सदस्य पकड़ में आते गए। दो कुख्यात अपराधियों का एनकाउंटर मैने मेरठ के पास किया था। तेरह को गिरफ्तार किया गया। इसमें से दो को फांसी और ग्यारह को उम्रकैद हुई। इस कार्य पर राष्ट्रपति गैलेंट्री अवार्ड मिला।''

साउथ की फिल्म इण्डस्ट्री ने जो फिल्म बनाई है उसका नाम तमिल में 'धीरन' और तेलगु में 'खाकी' रखा है। जल्द ही यह फिल्म हिन्दी में भी रिलीज होगी। हिन्दी में रिलीज होने वाली फिल्म का नाम भी दूसरा होगा।

# हौंसले के आगे पस्त हुई दिव्यांगता सोनिया ने ओलम्पिक में जीता स्वर्ण पदक

आगरा। उसने हौंसले की उड़ान में दिव्यांगता को कभी आड़े नहीं आने दिया। न तो कभी दर्द की परवाह की और न ही अपने हाथ से बहते खून की। यह कहानी है आगरा की रहने वाली दिव्यांग शूटर सोनिया शर्मा की, जिन्होंने हाल ही में पैरा वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

**हाथ नहीं हौसला चाहिएः**

सोनिया ने शूटिंग की शुरूआत रायफल से की थी। वजनी रायफल चलाने के लिए दूसरे हाथ की सख्त जरूरत पड़ती है। सोनिया को इसमें काफी दिक्कत होती थी। सिर्फ बाएं हाथ से वह रायफल साध नहीं पाती थीं। असहनीय दर्द होता। हाथ से खून तक बहने लगता था। लेकिन मन में कुछ कर दिखाने का जज्बा था। उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। डटी रहीं। शूटिंग रेंज में निरंतर कड़ा अभ्यास किया। मंजिल हालांकि पिस्टल से मिली, लेकिन रायफल से किया जाने वाला कठिन अभ्यास इसकी बुनियाद बना। मेहनत और प्रण के बूते आखिरकार उन्होंने वह कर दिखाया, जो वह चाहती थीं। थाईलैंड में संपन्न विश्व चैंपियनशिप के टीम इवेंट में सोनिया ने पिस्टल से सुनहरा निशाना साधा। वह टॉप-8 में जगह पाने में भी सफल रहीं।

**अब ओलंपिक है लक्ष्यः**

सोनिया ने अपनी उपलब्धि पर कहा, स्वर्ण पदक जीतकर अच्छा लग रहा है। वर्ल्ड चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन कर पैरा ओलंपिक का कोटा हासिल करना मेरा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि चुनौतियों पर जीत हासिल करने को निरंतर अभ्यास और कड़ी मेहनत जरूरी है। ऐसा करेंगे तो सफलता अपने आप मिलेगी।

हौसले की कहानीः न दर्द की परवाह की, न हाथ से बहते खून की सिर्फ बाएं हाथ से वह रायफल साध नहीं पाती थीं। असहनीय दर्द होता। हाथ से खून तक बहने लगता था। लेकिन मन में कुछ कर दिखाने का जज्बा था।

**प्रण की जीतः**

सोनिया की मां जनक शर्मा बताती हैं कि यह सोनिया के प्रण की जीत है। बेटी की सफलता पर वह कहती हैं कि सोनिया ने पूरे परिवार का नाम रोशन कर दिखाया। उसकी सफलता की खबर सुन ऐसा लग रहा है, जैसे मैं हवा में उड़ रही हूं। जनक कहती हैं कि सोनिया ने अभ्यास नहीं तपस्या की है। हर दर्द को सहा है। लेकिन जो ठाना वह कर दिखाया। आज हम सभी को उस पर गर्व है। सोनिया नेसेंट एंड्रूज स्कूल की शूटिंग रेंज में कोच आलोक वैष्णव की देखरेख में रायफल शूटिंग को चुना था। इसमें उन्होंने शुरूआती कुछ साल अभ्यास किया। बाद में एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम में शूटिंग रेंज बन जाने के बाद वह वहां अभ्यास करने लगीं। शुरूआत उन्होंने रायफल से की थी। लेकिन एक हाथ से रायफल से अभ्यास करना बहुत कठिन तो था ही, निशाना साधने में भी दिक्कत आती थी।

# अधिकारों की रक्षा की लड़ाई को तैयार रहे विश्वकर्मा समाजः छेदीलाल

## -मोतिहारी में सम्पन्न हुआ विश्वकर्मा सम्मेलन
## -सभी विश्वकर्मा वंशजों की एकजुटता का प्रयास
## -राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताई आन्दोलन की जरूरत

मोतिहारी। दुनिया में एकता से बढ़कर कोई मंत्र नहीं है। एकता के सूत्र में बंधकर, संगठित होकर ही अपने अधिकारों की रक्षा और अपने हक की लड़ाई में सफलता प्राप्त की जा सकती है। उक्त बातें अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष छेदीलाल विश्वकर्मा ने कही। वह अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा द्वारा नगर भवन में आयोजित सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे।

इसके पूर्व छेदीलाल विश्वकर्मा, गोरखनंदन विश्वकर्मा, अशोक कुमार शर्मा, रामाश्रय शर्मा, डॉ0 उमेश चन्द्र, विश्वकर्मा शर्मा, रीना शर्मा, शिवसागर शर्मा ने संयुक्त रूप से भगवान विश्वकर्मा के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्जवलित कर सम्मेलन का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि समाज को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत बनाने के लिए समाज के लोगों को आगे आना होगा।

वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 उमेश चंद्र ने कहा कि आज हमारे समाज को आरक्षण में मात्र एक फीसद हिस्सेदारी मिल रही है, जो हमारे समाज के साथ छलावा है। हमें संगठित होकर अपने अधिकार की लड़ाई लड़नी है और दस प्रतिशत आरक्षण जब तक हमारे समाज को नहीं दिया जाता यह लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने विश्वकर्मा समाज के बढ़ई, सोनार, लोहार, ताम्रकार व शिल्पकार को एकजुट रहकर समाज के दबे कुचले लोगों की हर संभव मदद करने की भी अपील की।

सभा को सर्वश्री इंद्रदेव ठाकुर, अशोक कुमार शर्मा, गोरखनंदन विश्वकर्मा, विश्वकर्मा शर्मा, रामाश्रय शर्मा, रीना शर्मा, शिवसागर शर्मा आदि ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर हजारी शर्मा, बाबूलाल ठाकुर, राम तपस्या शर्मा, विकास कुमार शर्मा, संतोष कुमार शर्मा, शिवजी ठाकुर, आनंद ठाकुर, राम नारायण शर्मा, डॉ0 राकेश प्रसाद शर्मा, मालती देवी, बब्लू ठाकुर, अवध किशोर ठाकुर, डॉ0 विकास शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

# डॉ0 श्याम प्रकाश को बेस्ट थीसिस के लिए प्राप्त हुआ गोपाल दास मेमोरियल गोल्ड मेडल

रिपोर्ट- केशव विश्वकर्मा

लखनऊ। 9 दिसम्बर 2017 को लखनऊ विश्वविद्यालय में सम्पन्न हुये दीक्षान्त समारोह में डॉ0 श्याम प्रकाश विश्वकर्मा द्वारा पी0एच0डी0 में बेस्ट थीसिस लिखने एवं जमा करने के लिए उनको 'गोपाल दास मेमोरियल गोल्ड मेडल' से सम्मानित किया गया। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग में डॉ0 डी0पी0 तिवारी के निर्देशन में शोध-कार्य, पी0एच0डी0 किया था। उनको यह मेडल लखनऊ विश्वविद्यालय के 60वें दीक्षान्त समारोह में उपस्थित केन्द्रीय गृहमन्त्री राजनाथ सिंह, राज्यपाल/कुलाधिपति राम नाईक, डॉ0 सुरेन्द्र प्रताप सिंह, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

डॉ0 श्याम विश्वकर्मा को इसी विश्वविद्यालय के इसी विभाग द्वारा वर्ष 2012 में परास्नातक की परीक्षा पुरातत्त्व विज्ञान से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने एवं कला संकाय को टॉप करने के उपलक्ष्य में योजना आयोग के उपाध्यक्ष मोंटेंक सिंह अहलूवालिया, उत्तर प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल/कुलाधिपति बी0एल0 जोशी एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति गोपा बन्धु पटनायक द्वारा संयुक्त रूप से आठ स्वर्ण पदक एवं एक बुक प्राइज प्रदान किया गया था, जिसमें से एक मेडल बेस्ट स्टूडेण्ट ऑफ द ईयर का था। पी0एच0 डी0 में उनका चयन सितम्बर 2012 में हुआ एवं 2016 में उनकी थीसिस अवार्ड हो गई।

इस दौरान डॉ0 श्याम ने राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में लगभग 12 शोध-पत्र लिखे, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय लगभग 12 सेमिनारों में शोध-पत्र पढ़े, 7-8 कार्यशालाओं में प्रतिभाग किया। विश्वकर्मा समाज के अनेक सम्मेलनों एवं बैठकों में भाग लिया। डॉ0 श्याम शिक्षा जगत के उगते सूरज हैं। वे जितने शिक्षित हैं उससे कहीं ज्यादा सामाजिक हैं। वर्तमान में वे डी0ए0वी0 पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ में प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग में असिस्टेन्ट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं।

डॉ0 श्याम की पारिवारिक पृष्ठभूमि में उनकी ममतामयी माता श्रीमती भगवानी देवी का असामयिक स्वर्गवास जनवरी 2017 को हो चुका है। वह आलमपुर-गोमुनपुर, अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) में आंगनबाड़ी कार्यकत्री थीं। असीम ज्ञान के भण्डार, महान सन्त, प्रभु श्री राम के अनन्य भक्त आपके पिता दशरथ विश्वकर्मा जी कल्याणपुर, अम्बेडकर नगर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यरत थे जो अब सेवामुक्त हो चुके हैं। कोमल चित्त सहृदयी बड़े भाई राम प्रकाश रेलवे विभाग में लोको पायलट हैं और वर्तमान में फैजाबाद में कार्यरत हैं। ममतामयी, दयालु भाभी अन्जू विश्वकर्मा एक गृहणी हैं जो माता जी के स्वर्गवासोपरान्त घर सम्भाल रही हैं। इनके दो बच्चियाँ रितिका एवं रश्मि तथा एक छोटा बच्चा है। डॉ0 साहब का छोटा भाई जिसको वे प्राणों से भी ज्याद्रा प्रिय मानते हैं वह काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के भोजपुरी अध्ययन

संस्थान से भूगोल विषय से जे0आर0एफ0 निकालने के पश्चात पी0एच0डी0 कर रहा है। छोटा भाई सत्य प्रकाश रिमोट सेंसिंग एवं कार्टोग्राफी का विशेषज्ञ है। डा0 श्याम की थीसिस में लगे समस्त मानचित्रों (सेटलाइट एवं अन्य) का निर्माण करने का श्रेय छोटे भाई सत्य प्रकाश को जाता है। उन्हें एवं उनके प्रिय मित्र रमेश कुमार को दिन-रात परिश्रम करने के पश्चात मानचित्र निर्माण में सफलता प्राप्त हुई ।

डॉ0 श्याम प्रकाश के दो चाचा-चाचियों की असामयिक मृत्यु होने के कारण उनके नौ बच्चों को पिता दशरथ विश्वकर्मा द्वारा पालन-पोषण किया जा रहा है। इनमें से चार लड़कियाँ क्रमशः राजेश्वरी, रामेश्वरी, रंजना एवं मीनाक्षी तथा पाँच लड़के क्रमशः सीता सरन, राम सरन, रघुनन्दनदास, जानकीदास तथा नारायणदास हैं। इनमें से दशरथ विश्वकर्मा द्वारा दो लड़कियों एवं दो लड़कों की शादी धूम-धाम से कर दी गई है। अन्य बच्चों की शादी करना अभी बाकी है। दशरथ विश्वकर्मा द्वारा किये जा रहे इस यज्ञ में सभी स्वजातीय बन्धुओं को उनका सहयोग करना चाहिए।

शिक्षा जगत के उगते सूरज, प्रकाण्ड विद्वान, विषयमर्मज्ञ, डॉ0 श्याम प्रकाश को विश्वकर्मा किरण हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका परिवार की तरफ से बहुत-बहुत बधाईयां। भगवान विश्वकर्मा से यही प्रार्थना है कि आप दिन दुगुना रात चौगुना विकास करें तथा समाज के समस्त भईयों एवं बन्धुओं को समय-समय पर अपना सहयोग प्रदान करते रहें।

सम्पर्क सूत्र- डॉ0 श्याम प्रकाश विश्वकर्मा
मो0: 9452543627, 8808546065

दीक्षा जांगिड़ (निवासी हनुमानगढ़, राजस्थान) ने आईआईटी एमएससी केमेस्ट्री में पूरे देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। वह उत्तम केमिकल इण्डस्ट्री के मालिक विजय सिंह सुथार की पुत्री हैं। दीक्षा जांगिड़ को बधाई व शुभकामनाएं।

# दयाराम विश्वकर्मा को 'अन्त्योदय सम्मान'

सुल्तानपुर। जिला विकास अधिकारी डा0 डी0आर0 विश्वकर्मा को जिलाधिकारी सुल्तानपुर ने 'अन्त्योदय सम्मान' से सम्मानित किया है। यह सम्मान डा0 विश्वकर्मा द्वारा पं0 दीनदयाल उपाध्याय जन शताब्दी समारोह कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन पर मिला है। उन्होंने जिले के 14 विकास खण्डों में प्रदर्शनी एवं मेले का सफल आयोजन कराया था। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी भी उपस्थित रहे।

भाजपा सामाजिक न्याय मोर्चा जनपद अमेठी के महामन्त्री अजय कुमार विश्वकर्मा, महादेव, रामबरन, अशोक कुमार, रामकुमार, हनुमान प्रसाद, अर्जुन प्रसाद, महोदव सहित कई लोगों ने डा0 विश्वकर्मा को बधाई देते हुये जिलाधिकारी सुल्तानपुर हरेन्द्र वीर सिंह को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

# आवाज के जादूगर एंकर तिलोक एस सुथार

समाज के उभरते मंच संचालक एंकर तिलोक एस सुथार, जिनकी आवाज पूरे हिन्दुस्तान में गूंजती है। 22 वर्ष के युवा एंकर की जादुई आवाज से दर्शकों और श्रोताओं को एकाग्रचित और प्रसन्नचित कर गहरी छाप छोड़ दे। लाजवाब एंकरिंग जो आपको सम्मोहित कर दे। राजस्थान के बाड़मेर जिले के निवासी इस युवा प्रतिभा तिलोक सुथार ने मंच संचालन के बहुआयामी क्षेत्र में अल्पआयु में ही अपनी दिलकश आवाज एवं मनमोहक व्यक्तित्व से महफिलों को महका रखा है।

विभिन्न मंच पर गूंजती एक दमदार मधुर आवाज तिलोक सुथार किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। राजस्थान में ही नहीं अपितु पूरे भारत में बड़े मंचों की लगभग जरूरत बन चुके हैं। इनका मंच संचालन अपने तहजीब के लिए पहचाना जाता है। पिछले 4 वर्षों में भारत के नामचीन शख्सियतों के कार्यक्रम में अपनी रूहानी आवाज को शेरो-शायरी के अंदाज में उन कार्यक्रमों को उचाईयां बख्शी है। तिलोक सुथार की आवाज एवं व्यक्तित्व ज्यादा दमदार है। वही एक इंसान के रुप में भी उनकी सरलता भी हर मिलने वालों के मन को मोहित कर लेती है।

आपने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ,राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पतंजलि के प्रमुख बालकृष्ण आचार्य, क्रिकेटर इरफान पठान, मुनाफ पटेल, केन्द्रीय मंत्री पी0पी0 चौधरी, गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, तेलंगाना प्रदेश स्पीकर श्रीकोडा मधुसूदन आचार्य, बड़ोदरा सांसद रंजन बेन भट, गोसेवी एवं मानवसेवी पदमाराम कुलरिया, गोभक्त पंकज गोस्वामी, समाज के सबसे बड़े भामाशाह भंवर जी, नरसी जी, पूनम जी, कानाराम जी, शंकर लाल कुलरिया, धर्म कुलरिया, बिल्डर एवं समाज के प्रतिष्ठित लीलाराम जांगिड़, नेमीचंद जांगिड़ गांधीधाम, राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह राठौड़ ,गजेंद्र सिंह खींवसर, अरुण चतुर्वेदी, कालीचरण सराफ, विधायक हनुमान बेनीवाल, तरुण राय कागा, सूर्यकांता व्यास, कैलाश भंसाली, ज्ञानचंद पारख, जोधपुर संभागीय आयुक्त रतन लाहोटी, आईएएस जोगाराम जांगिड़, आईजीपी सांगाराम जांगिड़, भजन सम्राट कीर्ति दान गढवी, मोइनुद्दीन मनचला, मरुधर भजन सम्राट रमेश माली, कवि सुरेंद्र शर्मा, एनआरआई अमराराम जांगिड़, कांग्रेस कमेटी राजस्थान के महासचिव पुखराज पाराशर, कांग्रेस कमेटी राजस्थान उपाध्यक्ष जगदीश जांगिड़, प्रदीप कुमार सुथार मुम्बई, आईआरएस दिनेश सारंग, उद्योगपति सुमेर मल सुथार, रतन लाल नागल, एस0एन0 सुथार, चम्पक सुथार, गोमती शर्मा एसडीएम, देवयानी जांगिड़ एसडीएम, जैसी अनेकों हस्तियों के लिए मंच संचालन कर बाड़मेर की महक को राष्ट्र स्तर तक पहुंचा रहे हैं। ऐसे समाज के युवा नायाब पर हमें गर्व है।

# आज और कल पर निर्मित समाज

भारत एक ऐसा देश है, जहाँ पर विभिन्न प्रकार के जाति, धर्म, समुदाय के लोग मिल कर रहते हैं और इस एकजुटता की बुनियाद बनती है आदर्शवादिता से।

आदर्शवादिता की परिभाषा हमारे समाज मे हो रहे अच्छे और बुरे की परख से एवं मनुष्य की चेतना से उबर कर बनता है। हमारी संस्कृति, हमारी सभ्यता, आदर्श से मिलकर बनी हुई होती है। मनुष्य अपना आदर्श स्वयं तय करता है, भला या बुरा पर आदर्शवादिता स्वयं में एक सकारात्मक उर्जा का प्रवाह लेकर चलता है ।

इतिहास में कई वीर योद्धा, वीरांगनाएँ एवं क्रांतिकारियों ने आदर्श के बल पर फतह हासिल की, वो आदर्श जिसके सहारे वे जीवन के कठिन परिस्थितियों का भी सामना कर गए, पर आज हमारे युवा वही नैतिकता एवं आदर्शवादिता को भूलते जा रहे हैं। ज्ञान अर्जित करने पर भी मानव मूल्य का तिरस्कार कर रहे हैं और अपनी संस्कृति, संस्कार को सामाजिक बंधन मानकर आजादी की नई परिभाषा गढ़ रहे हैं।

आदर्शवादिता स्वयं के लिए नहीं, समाज के हित के लिए काम करता है। आदर्श पर चलने वाला समाज को जोड़कर रखता है एवं एकता का प्रतीक होता है। पर आज का नवयुवक समाज के लिए भ्रम और अपने लिए कर्म करता है। पहले के समय मे परिवार संगठित होकर रहता था, जिससे कि बच्चों एवं युवाओं को रिश्तों की मर्यादा, उसके महत्व का ज्ञान होता था और वे एक अच्छे आदर्शों पर चलकर समाज का हित करते थे, पर अब इस बदलते हुए समाज ने रिश्तें की एकजुटता को बंधन का नाम दिया और टूटते रिश्ते को आजादी का । पश्चिमी सभ्यता का प्रभाव कहें या आज के युवा का आत्मकेंद्रित स्वभाव, अब तो वो अपने परिवार तो क्या माता-पिता के साथ भी रहना पसंद नहीं करते । युवा तो क्या बच्चे भी बड़ो के पाँव छूना, उनका आदर करना भूल गए हैं।

आज के युवा का आदर्श स्वार्थ रह गया है। वो अपनी ही बनाई हुई दुनिया मे जीना चाहते हैं। वे तमाम तरीके के मूवीज देखकर अपने को उसके अनुरूप ढालने का प्रयास करते हैं। जबकि वास्तविकता इन सबसे भिन्न होती है, समयानुसार सबकी परिस्थितियाँ अलग होती है ।

अजीब विडंबना है कि जहाँ

राधेश्याम विश्वकर्मा

ज्ञान का अर्थ सोच को एक नई दिशा देना होता है वहीं पर आज की सोच दूसरे की सभ्यता से प्रभावित होकर बनी हुई होती है। आज का युवा अपने समाज के संस्कृति, सभ्यता को सहेजने के बजाय उसका तिरस्कार कर रहा है। उसे अब न अपनी भाषा का ज्ञान है, न अपने लोगो के दर्द का, बस याद है तो वह चकाचौंध रोशनी जिसे पाकर वो अपनी पहचान बनाना चाहता है परंतु स्वयं गुम हो जाता है।

# श्री विश्वकर्मा चेरीटेबल अस्पताल में अल्ट्रासाउण्ड मशीन का शुभारंभ

फगवाड़ा। श्री विश्वकर्मा चेरीटेबल अस्पताल में अल्ट्रासाउण्ड मशीन लगाई गई। जिसका उद्घाटन बख्शीश राम धीमान ने किया। इस मौके पर श्री विश्वकर्मा धीमान सभा के प्रधान बलवंत राय धीमान ने बताया कि अस्पताल का ट्रस्ट बना दिया गया है, जिसमें सभा के कुछ सदस्य शामिल किए गए हैं व आने वाले दिनों में और भी सदस्य ट्रस्ट में शामिल किए जाएंगे। इस अवसर पर रमेश धीमान, रजिंदर सिंह रूपराय हरजीत भारती, अरुण रूपराय, सुरिंदर पाल धीमान, रजिंदर सिंह रियात, अमरजीत सिंह सैंहबी, बलविंदर सिंह रतन, इंद्रजीत सिंह मठारु, गुरनाम सिंह आदि उपस्थित थे।

# तमिलनाडु डीजीपी सांगाराम जांगिड़ का किया अभिनन्दन

बाड़मेर। 6 राज्यो में आंतक का पर्याय बन चुके ओमा बावरिया गैंग का खात्मा कर राष्ट्रपति गैलेंट्री एवार्ड से सम्मानित आईपीएस और वर्तमान में तमिलनाडु के डाइरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस सांगाराम जांगिड़ की शहर के प्रबुद्धजनों ने उनके डीजीपी बनने और उनके जीवन पर साउथ में 'धीरन' नामक फिल्म बनने पर स्नेहमिलन समारोह आयोजित कर अभिनन्दन किया गया।

स्थानीय युवा उद्यमी आजाद सिंह राठौड़ के कार्यालय परिसर में आयोजित अभिनन्दन कार्यक्रम में शिक्षाविद कमल सिंह महेचा, वरिष्ठ पत्रकार एवम लेखक शंकर गोली, पूर्व प्रधान उदाराम मेघवाल, युवा लेखक आजाद सिंह राठौड़ के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

आयोजन में स्वागत भाषण के जरिये डीजीपी जांगिड़ की जीवनी पर प्रकाश डाला। आयोजन में डीजीपी तमिलनाडु पुलिस ने ओमा बावरिया गैंग के खात्मे की पूरी घटना को तफशील से बताया। अपने ऑपरेशन के डेढ़ साल को रुपहले पर्दे पर देखना बहुत यादगार लगा श्री जांगिड़ को। बकौल जांगिड़ अद्भुत अनुभव था खुद के काम को 70 एमएम के पर्दे पर देखना। आंतक का पर्याय बन चुकी ओमा बावरिया की गैंग भरतपुर रूपावास से जुड़ी थी। इसके कारण फिल्म का फिल्मांकन भी भरतपुर, बाड़मेर व जैसलमेर में हुआ है।

फिल्म में साउथ के ख्यातनाम अभिनेता कार्तिक सांगाराम जांगिड़ के किरदार को अदा कर रहे हैं और फिल्म को युवा डारेक्टर विनोथ ने निर्देशित किया है। सांगाराम जांगिड़ के मुताबित थिरन का स्पेशल प्रीमियर में उन्हें बतौर विशिष्ठ अतिथि बुलाया गया यह उनके लिए यादगार था।

गौरतलब है कि आंतक का पर्याय बन चुके ओमा बावरिया गैंग को बिना किसी सुराग के खत्म करने वाले पुलिस अधिकारी और अब चैन्नई पुलिस डीजीपी सांगाराम जांगिड़ ने गैंग का सफाया किया था। सांगाराम बाड़मेर जिले के कवास गांव के निवासी है। साल 1995-2005 के बीच बावरिया गैंग ने 50 के करीब हत्याएं और हाईवे पर लूट की कई वारदातों को अंजमा दिया था। इस गैंग को खत्म करने का जिम्मा आईपीएस सांगाराम जांगिड़ को मिला था। जांगिड़ के नेतृत्व में हुई कार्यवाही में गैंग के 13 सदस्य गिरफ्तार किए गए थे और पुलिस ने दो एंकाउंटर भी किए थे। बावरिया गैंग खत्म करने के साहसिक कार्य के लिए सांगाराम को राष्ट्रपति गैलेंट्री अवार्ड प्रदान किया गया।

आयोजन में नगर पालिका परिषद के पार्षद नरेश देव सारण, बीरबल माली, हुकमाराम सुथार, रघुवीर सिंह तामलोर ने डीजीपी सांगाराम जांगिड़ का स्मृति चिन्ह देकर बहुमान किया। आयोजन का मंच संचालन मुकेश पचौरी ने किया।

# विश्वकर्मा समाज ने किया रासवि पार्टी का समर्थन

गाजियाबाद। संयुक्त सामाजिक मोर्चा द्वारा आयोजित विश्वकर्मा प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन न्यू इंडिया कैंपस, गरिमा गार्डन, गाजियाबाद में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता लादूराम जांगिड़ द्वारा की गयी जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रामजी लाल जांगिड़ एवं वेदप्रकाश पांचाल उपस्थित रहे। विनोद पांचाल द्वारा ध्वजारोहण किया गया तथा डॉ0 सी0पी0 शर्मा द्वारा दीप प्रज्जवलन किया गया। स्वर्णकार एम0के0 राजपूत मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में एम0पी0 राजपूत, दिनेश वत्स एवं गोविंदराम उपस्थिति रहे। आर0पी0 वर्मा द्वारा उपस्थित सभी सम्माननीय अतिथियों का स्वागत किया गया।

डॉ0 रामजी लाल जांगिड़, स्वर्णकार एम0के0 राजपूत, वेदप्रकाश पांचाल एवं लादूराम को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। वेदप्रकाश पांचाल को सामाजिक रूप से सर्वमान्य मानते हुए पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। पूरे विश्वकर्मा समाज जिसमें स्वर्णकार, धीमान, जांगिड़, पांचाल, टांक, मैथिल, रामगढ़िया, सुथार आदि को एक सूत्र में पिरोने तथा समाज में राजनीतिक भागीदारी एवं उपस्थिति के लिए संकल्प लिया। जिसके तहत स्वर्णकार एम0के0 राजपूत द्वारा नवगठित पार्टी 'राष्ट्रीय सर्वजन विकास पार्टी' सम्पूर्ण विश्वकर्मा समाज को समर्पित की गयी।

मुख्य अतिथि वेदप्रकाश पांचाल द्वारा नवगठित पार्टी 'राष्ट्रीय सर्वजन विकास पार्टी' के लिए संयुक्त रूप से संकल्प लिया गया एवं समाज ने करतल ध्वनि से अपना समर्थन दिया। साथ ही समाज में राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाने के लिए युवा शक्ति का आवाहन किया गया। इस अवसर पर शिवसेवक विश्वकर्मा, विजय विश्वकर्मा, संजय पांचाल, सुनील पांचाल सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

श्री जांगिड़ युवा संघ (संस्थान) जोधपुर द्वारा 18वां विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह रक्तदान स्व0 सुनील भुन्दड़ को समर्पित रहा। रक्तदान शिविर में 121 यूनिट रक्त युवाओं द्वारा दिया गया। समाज के कई वरिष्ठ समाजसेवियों और भामाशाहों का योगदान प्रशंसनीय रहा।

# सर्वांगीण विकास के लिए एकजुट हो विश्वकर्मा समाज- राम आसरे विश्वकर्मा

**गंगाराम विश्वकर्मा**

-कारपेन्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन के कार्यक्रम में जुटे दिग्गज।

-समाजसेवी सभाजीत विश्वकर्मा को 'श्री विश्वकर्मा समाज रत्न-2017' सम्मान।

मुंबई। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा ने विश्वकर्मा समाज को सम्बोधित करते हुए आवाहन किया कि विश्वकर्मा समाज में व्याप्त गैरबराबरी, शोषण, उपेक्षा व भेदभाव को दूर कर सामाजिक समरसता बनाने के लिए समाज की सभी संस्थायें एकजुट हो। विलेपार्ले (पूर्व) स्थित नवीनभाई ठक्कर ऐडोटेरियम में कारीगरों की सामाजिक संस्था कारपेन्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित वार्षिक कार्यक्रम में उन्होंने उक्त बातें कही। विश्वकर्मा समाज को राजनैतिक भागीदारी प्राप्त करने के लिये तथा देश में विश्वकर्मा समाज को मजबूत ताकत बनाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि जब तक विश्वकर्मा समाज के लोग एमपी, एमएलए, मन्त्री बनकर सरकार में नहीं बैठेंगे, तब तक समाज के उत्थान की बात करना बेइमानी होगी। हमें सामाजिक ताकत के साथ-साथ राजनैतिक ताकत बढ़ाना भी जरूरी है।

श्री विश्वकर्मा ने कहा कि समाज के चतुर्दिक विकास करने व उनको अधिकार देने के लिए सभा संगोष्ठी व सम्मेलनों का आयोजन कर उन्हें जागरूक बनाने से समाज में मजबूती आयेगी। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम आसरे विश्वकर्मा ने कहा कि आईटीआई की ट्रेनिंग और कौशल विकास मिशन की ट्रेनिंग ने सरकारी विभागों में लोहार-बढ़ई कारीगरों के पद से आरक्षण समाप्त कर दिया है जिससे बड़ी संख्या में पैतृक व्यवसाय से जुड़े लोग बेरोजगार होते जा रहे हैं। कुटीर उद्योगों से जुड़े करोड़ो कारीगर विश्वकर्मा, लोहार, बढ़ई, शिल्पकार के रोजगार को संरक्षित करने के लिए केन्द्र सरकार को विश्वकर्मा शिल्पकार विकास आयोग बनाना चाहिये। मूर्ति शिल्पियों व भवन निर्माण श्रमिकों के साथ-साथ परम्परागत कारोबार में लगे कारीगरों को सरकार द्वारा संरक्षित व प्रोत्साहित करने की नीति बनाने की आवश्यकता है। हस्तशिल्प, नाबार्ड, खादी आयोग बोर्ड, केन्द्रीय श्रम विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं में विश्वकर्मा, कामगार, शिल्पकार व

श्रमिक वर्गों को योजनाओं को लाभ दिलाने हेतु विशेष अभियान चलाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि रोजी-रोटी की तलाश में गांव के परम्परागत लोहे और लकड़ी से जुड़े हुए कारीगरों के पलायन को रोकने के लिए केन्द्र व राज्य सरकारों को उनके लिए कार्यशाला स्थापित करने हेतु ग्रामसभा की जमीनों का पट्टा दिये जाने, 5 हार्सपावर की आरा मशीनों को लाइसेंस से मुफ्त करने तथा लोहा व लकड़ी के कार्य के लिए सस्ते दर पर कच्चा माल उपलब्ध कराने तथा सस्ते दर पर बिजली उपलब्ध कराने के लिए कार्य योजना बनाना चाहिए।

कारपेन्टर सम्मेलन में वरिष्ठ समाजसेवी सभाजीत विश्वकर्मा को सामाजिक उत्थान कार्य हेतु ''श्री विश्वकर्मा समाज रत्न 2017'' सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह में ओम फर्न इण्डिया (प्रा0लि0) के प्रबंध निदेशक राजेन्द्र विश्वकर्मा, राम रत्न ग्रुप के निदेशक सुमित काबरा, पत्रकार प्रमोद श्यामाचरण पाण्डेय, रामजी विश्वकर्मा, भोलानाथ शर्मा, राधेश्याम विश्वकर्मा, अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा महाराष्ट्र अध्यक्ष शंकर चुरागले, घनश्याम पंवार, भाजपा नेता रामशब्द विश्वकर्मा बतौर अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वकर्मा समाज की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के

पदाधिकारियों का स्वागत किया गया।

एंकर प्लायवुड, तापड़िया हैंड टूल्स, यूरो ग्लू व आरआर इलेक्ट्रिक प्रायोजित इस समारोह में वक्ताओं द्वारा कारपेन्टरों का सामयिक मार्गदर्शन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कारपेन्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन के संयोजक व अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय सचिव गंगाराम विश्वकर्मा ने किया। कारपेन्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण विश्वकर्मा व महामंत्री दिनेश विश्वकर्मा ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रामलाल विश्वकर्मा, योगेश विश्वकर्मा, संतलाल विश्वकर्मा, गुलाब विश्वकर्मा, दिनेश विश्वकर्मा, कन्हैयालाल विश्वकर्मा, नन्दलाल विश्वकर्मा, कंचन विश्वकर्मा, संजय विश्वकर्मा, नारायण विश्वकर्मा, डॉ0 आर0आर0 विश्वकर्मा, प्रेमनाथ विश्वकर्मा, तेरस विश्वकर्मा, दीनानाथ विश्वकर्मा, कैलाश विश्वकर्मा, रामबली विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा, दिलावर खान, मोतीलाल विश्वकर्मा, रमेश विश्वकर्मा, रामरोहित विश्वकर्मा आदि पदाधिकारयों का अथक प्रयास रहा।

Living Style Furniture
Deals in: Home & Office Furniture , Modular Kitchen
Authorised Dealer:- ZUARI FURNITURE Kosta Peps Stellar
Alambagh –Mob:- 9129083999 • Raebareli Road:- 9129084999

# धरोधरों का खजाना है तेलंगानाः मधुसूदनचार्य

दिनेश गौड़

हैदराबाद। तेलंगाना राज्य के विधानसभा अध्यक्ष श्रीकोंडा मधुसूदनचार्य ने कहा है कि तेलंगाना देश के सबसे बेहतरीन प्रान्तों में शुमार है। यहां सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक और ऐतिहासिक धरोहरों का खजाना है। इन्हें तराशने के लिए जो प्रयास हो रहे है वे काबिले तारीफ है।

वरिष्ठ पत्रकार व वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश गौड़ के साथ एक विशेष मुलाकात के दौरान श्री चार्य ने ये उदगार व्यक्त किये। अपने आवास पर एक खास मुलाकात के दौरान 119 विधानसभा सीटों वाले तेलंगाना प्रान्त के प्रथम विधानसभा अध्यक्ष श्रीकोंडा मधुसूदनचार्य ने श्री गौड़ के साथ खुलकर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि देश के 29वें प्रान्त तेलंगाना के गठन के लिए यहां के लोगों ने जो संर्घष किया है, उसे भुलाया नहीं जा सकता है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि तेलंगाना आज देश के सबसे बेहतरीन प्रान्तो में से एक है। यहां सांस्कृतिक धरोहरों की सौगात है। सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में भी ये प्रान्त विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रान्त का विकास वहां की जागरूक जनता के विचारों का सम्मान करने से होता है। जनता द्वारा जनता के लिए सरकारों का गठन किया जाता है। जनभावनाओं की कद्र करना किसी भी राजनीतिज्ञ और राजनीतिक दल के लिए बेहद जरूरी होता है।

श्रीकोंडा मधुसूदनचार्य ने 20 साल की उम्र में तेलगूदेशम पार्टी से अपना राजनीतिक कैरियर शुरू किया। लोगों के बीच अपनी खास पहचान रखने वाले श्रीकोंडा 1994 में वरंगल जनपद की श्यामवेत विधानसभा सीट से जीतकर पहली बार आंध्र प्रदेश विधानसभा पहुंचे। 9 जून 2014 को तेलंगाना जैसे महत्वपूर्ण प्रान्त के प्रथम विधानसभा अध्यक्ष चुने गए।

1962 में तेलंगाना के वरंगल जनपद में जन्मे श्रीकोंडा मधूसूदनचार्य ने कामतिया विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में मास्टर डिग्री हासिल की है। अपनी पढ़ाई के दिनों में ही इन्होंने समाजसेवा करने का निर्णय लिया। उन्होंने 20 साल की उम्र में तेलगूदेशम पार्टी से अपना राजनीतिक कैरियर शुरू किया। लोगों के बीच अपनी खास पहचान रखने वाले श्रीकोंडा 1994 में वरंगल जनपद की श्यामवेत विधानसभा सीट से जीतकर आंध्र प्रदेश विधानसभा पहुंचे। तेलंगाना प्रदेश की मांग को लेकर चले आंदोलन में इनका अहम योगदान रहा। कुछ वैचारिक मतभेदों के कारण इन्हें तेलगुदेशम पार्टी छोड़ना पडा। तेलंगाना राष्ट्रीय समिति के कर्णधार श्रीकोंडा का मत है कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि होती है। उसकी अपेक्षाओं पर खरा उतरना हर किसी की जिम्मेदारी बनती है। एक लाख बारह हजार सतहत्तर वर्ग किलोमीटर में फैले तेलंगाना की आबादी साढ़े तीन करोड़ है। यहां 31 जिलों में 119 विधानसभा सीटें फैली हुई है। इस प्रान्त ने अपने गठन के चंद सालों में प्रत्येक क्षेत्र में अपनी खास पहचान बनाई है। पर्यटन, औद्योगिक व सामाजिक क्षेत्र में भी यह प्रदेश किसी से कम नहीं है। श्रीकोंडा मधूसुदन चार्य 9 जून 2014 को इस महत्वपूर्ण प्रान्त के प्रथम विधानसभा अध्यक्ष चुने गए। इनका कहना है कि तेलंगाना देश के उन प्रान्तो में से एक है जो 1947 से पहले आजाद हुए है।

# स्वभाव और कर्म से मिलती है सफलता: सुतार

नोएडा। जीवन के 92वां बसंत देख चुके पद्मश्री से सम्मानित विख्यात मूर्तिकार राम वनजी सुतार के साथ वरिष्ठ पत्रकार व वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश गौड़ को साक्षात्कार करने का मौका मिला। इस साक्षात्कार के दौरान श्री गौड़ ने उनके साथ तमाम विषयों पर खुलकर चर्चा की। शांत स्वभाव के धनी राम वनजी सुतार का मत है किसी भी व्यक्ति की सफलता उसके स्वभाव और कर्म पर निर्भर करती है, इसी के दम पर हम अपने आपको स्थापित कर सकतें है।

श्री सुतार का जन्म 19 फरवरी 1925 को महाराष्ट्र के धूलिया जनपद के गोन्दूर गांव में हुआ। इनका परिवार बेहद गरीब था। श्री सुतार बचपन से मेधावी थे। अपनी प्रारम्भिक पढ़ाई के साथ ही उनकी आर्ट के प्रति प्रतिबद्धता को उनके गुरू और आचार्य राम कृष्ण जोशी ने इनके बचपन में ही भांप लिया था। श्री सुतार ने अपने कलात्मक जौहर को उन्हीं की देख रेख में शुरू किया। आज देश-दुनिया में अनेकों प्रतिमा ऐसी हैं जो इस मूर्तिकार के दिलो दिमाग की उपज है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रतीत संसद भवन में महात्मा गांधी से लेकर तमाम महापुरूषों की मूर्ति इसी मूर्तिकार की देन है। इनके जौहर को भारत सरकार ने 1999 में सराहा और इन्हें 'पद्मश्री' से सम्मानित किया। श्री सुतार कहते है कि इन्हें जीवन में जो भी मिला है कर्म के बल पर मिला है।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि किसी भी मूर्ति को शेप देने के लिए अध्ययन करने की जरूरत होती है। जिन महापुरूषों की मूर्तियों को राम वनजी सुतार ने गढ़ा है वो उनके चरित्र को जानने के बाद ही संभव हो सका है। किसी भी मूर्ति को बनाने से पहले उसकी एक छवि दिलो दिमाग में भी बनती है। जिसके आधार पर मूर्ति को शेप मिलती है। गुजरात में स्थापित होने वाली लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल की मूर्ति (स्टेच्यू ऑफ यूनिटी) के लिए बेस बनाने का काम एल एंड टी कर रही है जबकि इसे शेप देने काम श्री सुतार कर रहे हैं। ये मूर्ति 522 फीट ऊंची और 140 फीट चौड़ी होगी। इस मूर्ति का तीस फीसदी से अधिक काम हो गया है।

दिनेश गौड़

**मिलना चाहिए भारत रत्न**

मूर्तिकार राम वनजी सुतार को विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा 'भारत रत्न' देने की मांग उठ रही है। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता व वरिष्ठ पत्रकार दिनेश गौड़ और युवा संसद की अध्यक्ष पार्वती जांगिड ने इस मामले में भारत सरकार को एक पत्र लिखने की बात कही है। इनका कहना है कि श्री सुतार ने भारत के तमाम महापुरूषों की मूर्तियों को बनाया है जो सदियों तक रहेंगी, इसलिए इस महान शिल्पकार को 'भारत रत्न' से सम्मानित किया जाना चाहिए।

युवा संसद की अध्यक्ष पार्वती जांगिड ने राम वनजी सुतार से मुलाकात कर 17 दिसम्बर को जोधपुर में आयोजित कार्यक्रम 'मैं भारत हूं' में सम्मिलित होने का आमन्त्रण भी सौंपा। साथ में वरिष्ठ समाजसेवी होरीलाल शर्मा, हरीश शर्मा भी उपस्थित रहे।

# भगवान विश्वकर्मा के बिना दुनिया की कल्पना नहीं

## फेविकोल चैम्पियन हेड नीरज शुक्ला ने बताई भगवान विश्वकर्मा की महत्ता

मुम्बई। सृष्टि के रचयिता भगवान विश्वकर्मा ने इस भौतिक जीवन में हमें सब कुछ दिया है जो मानवीय जीवन को गतिमान बनाता है, विश्वकर्मा के बिना इस दुनिया की कल्पना नहीं की जा सकती। सांताक्रुज (पूर्व) स्थित डिमोलो कम्पाउंड, वाकोला में नवजीवन श्री विश्वकर्मा सेवा समिति की ओर से आयोजित श्री विश्वकर्मा पूजा में फेविकोल चैम्पियन हेड नीरज शुक्ला ने उक्त बातें कही। श्री शुक्ला ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा निर्माण के देवता हैं और कारीगर भाई उनके सच्चे उपासक हैं, जो सकारात्मक दिशा में अपना दिमाग लगाकर देश के नवनिर्माण का कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर फेविकोल चैम्पियन के अधिकारी केशव सिंह, घनश्याम सिंह भी उपस्थित रहे।

नवजीवन श्री विश्वकर्मा सेवा समिति की ओर से विश्वकर्मा समिति प्रांगण में विश्वकर्मा मंदिर निर्माण के अध्यक्ष रामजी विश्वकर्मा का स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा मुंबई उपाध्यक्ष राजहंस सिंह, सचिव अजय सिंह, विश्वकर्मा समिति के चेयरमैन राजेंद्र विश्वकर्मा, श्री विश्वकर्मा को आप क्रेडिट सोसायटी लि0 के चेयरमैन राधेश्याम विश्वकर्मा, उत्तर भारतीय मोर्चा उपाध्यक्ष रामशब्द शर्मा, भरत विश्वकर्मा, वशिष्ठ नारायण विश्वकर्मा आदि का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष कड़ेदीन विश्वकर्मा व महामंत्री चंद्रकेश विश्वकर्मा ने संस्था के भावी गतिविधियों पर प्रकाश डाला। विश्वकर्मा समिति संस्था की ओर से सांताक्रुज (पूर्व) कालीना स्थित संस्था के सभागार में श्री विश्वकर्मा महापूजा का आयोजन किया गया। समारोह में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। समिति के प्रांगण में नवनिर्मित विश्वकर्मा मंदिर में दर्शन करने वाले भक्तों का तांता लगा रहा।

श्री विश्वकर्मा विकास समिति संस्था की ओर से गोरेगांव (पश्चिम) आरे रोड स्थित अजंता पार्टी हाल में श्री विश्वकर्मा पूजनोत्सव का आयोजन किया गया। संस्था के संस्थापक सदस्य कैलाशनाथ विश्वकर्मा, हरिश्चंद्र विश्वकर्मा, मोतीलाल विश्वकर्मा, राजाराम विश्वकर्मा ने सामाजिक मार्गदर्शन किया। कांदिवली (पूर्व) हनुमान नगर स्थित वडारपाड़ा में श्री विश्वकर्मा मंदिर में भव्य स्तर पर श्री विश्वकर्मा महापूजा का आयोजन किया गया। श्री विश्वकर्मा समिति आयोजित समारोह में क्षेत्रीय सांसद गोपाल शेट्टी, विधायक अतुल भातलकर, पूर्व विधायक व भाजपा उपाध्यक्ष ठाकुर रमेश सिंह इस अवसर पर उपस्थित रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम अंतर्गत भोजपुरी गायक राकेश तिवारी ने लोकगीत प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमुदाय को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भारतीय श्री विश्वकर्मा कल्याण समाज संस्था की ओर से अंधेरी (पूर्व) निकलावाड़ी स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर में श्री विश्वकर्मा महापूजा के अवसर पर महायज्ञ का आयोजन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। साकीनाका खैरानी रोड स्थित दुर्गा माता मंदिर परिसर में श्री विश्वकर्मा भगवान मंदिर में विश्वकर्मा महापूजा का आयोजन किया गया। मुंबई ऑटो रिक्शा चालक मालिक संघ की ओर से अंधेरी (पूर्व) स्थित मरोल मिलट्री रोड पर श्री विश्वकर्मा पूजा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। शिव साईं फाउंडेशन की श्री विश्वकर्मा उत्सव समिति की ओर से विलेपार्ले (पश्चिम) स्थित मीठी बाई कालेज के पास अण्णा चाल मैदान में श्री भगवान विश्वकर्मा उत्सव का आयोजन किया गया। श्री विश्वकर्मा कल्याण मंडल, हलाव पुल मसरानी, कुर्ला में संस्था के परिसर में आयोजित पूजनोत्सव में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। श्री विश्वकर्मा सहयोग सेवा समिति संस्था की ओर से साकी विहार रोड स्थित तुंगा गांव में श्री विश्वकर्मा महा पूजा का आयोजन किया गया।

# विश्वकर्मा समाज को सही दिशा में ले जाने में युवाओं का अहम योगदान- के0पी0 सिंह

जौनपुर। श्री विश्वकर्मा पूजा महासमिति, जौनपुर द्वारा पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन श्री जगन्नाथ जी मन्दिर, उर्दू बाजार में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सांसद के0पी0 सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने गरीब महिलाओं को महासमिति की तरफ से साड़ी भेंट किया। समारोह को सम्बोधित करते हुये सांसद ने कहा कि विश्वकर्मा समाज को सही दिशा में ले जाने में युवाओं का अहम योगदान है।

पुरस्कार वितरण में धर्मेन्द्र आटो वर्कशाप कमला टाकीज को प्रथम, दिनेश आटो वर्कशाप पचहटिया को द्वितीय तथा कार्तिक ज्वेलर्स हनुमानघाट को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जियालाल विश्वकर्मा, त्रिवेणी विश्वकर्मा, विनय विश्वकर्मा, अरविन्द विश्वकर्मा, के0के0 विश्वकर्मा, नीरज सेठ, श्याम नारायण विश्वकर्मा, मिठाईलाल, बच्चूलाल, हरिओम मौर्य, डा0 ऋषि गुप्ता, प्रेमचन्द, लवकुश, कृष्णकान्त, जियालाल, विकास शर्मा, श्रवण यादव, अमरनाथ, शिवनाथ, दिलीप विश्वकर्मा, रंजीत सेठ, सन्दीप सेठ, रामरतन सोनी, अविनाश विश्वकर्मा सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। अध्यक्षता राजेश विश्वकर्मा एवं संचालन राधेश्याम विश्वकर्मा ने किया।

अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ का अधिवेशन कोलकाता के हल्दिया में सम्पन्न हुआ। इस अधिवेशन में 24 राज्यों के अध्यक्ष एवं 1000 के करीब स्वर्णकार संघ के पदाधिकारी पहुंचे थे। स्वर्णकार संघ के कोषाध्यक्ष कश्मीर सिंह राजपूत को सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस नियुक्ति की घोषणा मुख्य चुनाव अधिकारी जगदीश प्रसाद वर्मा शारेवाल तथा डिप्टी चीफ इलेक्शन कमिश्नर राजिंद्र वर्मा द्वारा की गई। इस अवसर पर पंजाब से उनके साथ जिला प्रधान अशोक लूथरा बटाला, जगजीत सिंह बब्बर बटाला, अशोक वर्मा पठानकोट, रमेश चन्द्र मुकेरियां, लखबीर सिंह, बलदेव सिंह, राम लुभाया उपस्थित थे। इस मौके पर मणिकावेलु की उपस्थिति प्रशंसनीय रही।

# झारखण्ड राजभवन के समक्ष प्रदर्शन

## विश्वकर्मा समाज को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की मांग

रांची। झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज के द्वारा राजभवन के समक्ष विशाल प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन में पूरे राज्य से करीब 5000 समाज के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा ने किया। जबकि इस कार्यक्रम में पूर्व राजद प्रदेश अध्यक्ष गौतम सागर राणा ने भी हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के माध्यम से सरकार से मांग की गई कि झारखंड में पिछड़ी जाति को 27.50% आरक्षण दिया जाए। साथ ही विश्वकर्मा समाज को अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल किया जाए। झारखंड गठन के बाद विश्वकर्मा समाज की लगातार उपेक्षा हो रही है। तीन-तीन बार मुख्यमंत्री को अनुरोध पत्र देने के बाद भी उन्होंने समाज को मिलने का समय नहीं दिया। आखिर समाज के लोग अपनी बात किन के समक्ष रखेंगे? कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गौतम सागर राणा ने कहा कि

**-17 सितम्बर भगवान विश्वकर्मा पूजा अवकाश को सार्वजनिक अवकाश घोषित करिने की मांग।**

**-राज्य में पिछड़ी जाति के लोगों को मिले 27.5 प्रतिशत आरक्षण, विश्वकर्मा समाज को मिले अनुसूचित जनजाति की सुविधा।**

विश्वकर्मा समाज को उनका हक और अधिकार देना होगा। राज्य में पिछड़ी जाति को 27 परसेंट आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। क्योंकि यह संविधानिक अधिकार है। अविभाजित बिहार में 27 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त था। लेकिन झारखंड गठन के बाद इसे कम कर 14% कर दिया गया। इतना ही नहीं झारखंड के 7 जिलों के पिछड़ों का आरक्षण शून्य कर दिया गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा ने कहा कि राजनीतिक दल विश्वकर्मा समाज को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करते रहे हैं। मगर समाज की मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया। समाज के लोग अब अपने हक और अधिकार के लिए सड़क पर उतर चुके हैं। अपनी मांगों को लेकर आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। झारखंड में आर्टीजन डेवलपमेंट बोर्ड का गठन होना चाहिए। साथ ही विधानसभा और लोकसभा चुनाव में समाज के लोगों को उचित पद मिलना चाहिए नहीं तो आगामी चुनाव में विश्वकर्मा समाज राजनीतिक दलों को सबक सिखाने का काम करेगी।

कार्यक्रम के माध्यम से राज्यपाल से मांग की गई कि 17 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा के दिन सरकारी अवकाश घोषित किया जाए। पिछड़ी जाति को आरक्षण दिया जाए। झारखंड में पूर्ण शराबबंदी लागू हो। आरा मशीन के आवंटन में विश्वकर्मा समाज के लोगों को लाइसेंस निर्गत किया जाए तथा विश्वकर्मा समाज को सस्ती दरों पर लकड़ी उपलब्ध कराई जाए।

# विश्वकर्मा समाज के 14 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

जोधपुर। विश्वकर्मा समाज (जांगिड़ ब्राह्मण) गंगाराम प्याऊ की ओर से भवाद में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में 14 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। प्रारंभ में गणेश स्थापना कर ध्वजारोहण किया गया। इसके बाद सामूहिक बारातें बैंडबाजों के साथ विवाह स्थल पहुंचीं। संस्था के पदाधिकारियों और पारिवारिक सदस्यों ने बारातों का स्वागत किया। तोरण की प्रक्रिया के बाद वरमाला कार्यक्रम हुआ। बाद में पंडितों ने विधि-विधान से विवाह रस्म संपन्न करवाई। देर रात अतिथियों ने आशीर्वाद देकर जोड़ों को विदाई दी।

इस दौरान मौजूद अतिथियों, भामाशाहों और समाज की विभिन्न संस्थाओं के अध्यक्षों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित केंद्रीय विधि राज्यमंत्री पी0पी0 चौधरी ने टेलीफोन पर बधाई संदेश देकर अपने

**क्षेत्रीय सांसद व क्षेत्रीय विधायक ने अपने निधि से 11-11 लाख रूपये आर्थिक अनुदान देने की घोषणा किया।**

सांसद कोष से समाज को 11 लाख रुपए देने की घोषणा की। ओसियां विधायक भैराराम सियोल ने भी अपने कोष से समाज को 11 लाख रुपए देने की घोषणा की।

आयोजन में केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, कस्टम उपायुक्त दिनेश जांगिड़ सारंग, अतिरिक्त महाधिवक्ता श्याम सुंदर लदरेचा, पंचायत के पूर्व अध्यक्ष रमेश प्रकाश शर्मा, वासुदेव बुढ़ड़, नगर निगम के सहवृत सदस्य पुखराज जांगिड़, भामाशाह नेमीचंद कोसाणा, जगदीश, जीवाराम जायलवाल, पूनाराम बरमेला, एम0डी0 शर्मा, संयोजक मोहनलाल जायलवाल, गंगा प्याऊ भवाद के अध्यक्ष गंगाराम बरड़वा, प्रवक्ता अमित बरड़वा, गणेश बिजाणी, गुलाबराम बरड़वा, ओमप्रकाश नागल, जगदीशलाल नागल, हरिराम नागल, महेन्द्र झाला, कुलदीप बरड़वा, बस्तीराम मांकड, मदन गोपाल माकड़, रामदयाल लदेया, श्याम सुंदर भाकरेचा, वीरेंद्र भाकरेचा, कोजाराम, खींयाराम बरड़वा, झूमरलाल कुलरिया, ईश्वर माकड़, रामपाल खंडेलवाल और खींवराज जांगिड़ सहित समाज के कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

# सवाई माधोपुर में सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

बजरंगपुरा। परीतागांव में अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण जिला करौली सवाई माधोपुर के सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न हुआ। सम्मेलन में अतिथि के रूप में गंगापुर सिटी विधायक मानसिंह गुर्जर, जिला प्रमुख विनीता मीना, विधायक करौली दर्शन सिंह गुर्जर, लाखन सिंह, महिला कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमारी जांगिड़, पूर्व चेयरमैन हरिप्रसाद बोहरा, कांती प्रसाद, सीताराम पूर्व जिला प्रमुख, वेदप्रकाश अध्यक्ष करौली, हुकुम चन्द सवाई माधोपुर, उद्योगपति दिलीप कटारिया, बनवारी लाल, नरेन्द्र, सोहन खेडा, गनपत, रामस्वरूप कटकड़, पुरुषोत्तम उदई आदि मौजूद थे।

इस अवसर पर अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला प्रमुख विनीता मीणा ने कहा कि जांगिड़ समाज द्वारा की गई पहल सराहनीय है और इस प्रकार के सामूहिक विवाह सम्मेलनों से शादियों में होने वाले फिजूल खर्चे में कमी होती है। इस अवसर पर दिल्ली से वेद प्रकाश, बनवारी लाल, रमेश, गोविंद, भगवान सहाय, संतोष, लक्ष्मीकांत, सियाराम, नेमीचंद, रघुबीर, फूलचंद और पंच पटेल, समाज के लोग उपस्थित थे।

विधायक मानसिंह गुर्जर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सभी समाजों की ओर से प्रतिवर्ष होने चाहिए। सामूहिक विवाह सम्मेलन में 31 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे जिसमे समाज के भामाशाहों ने अच्छा योगदान किया। आयोजन में बैंड बाजों के साथ बारात, तोरण रस्म निभाने के बाद अलग अलग पंडालों में पंडितों के मंत्रोच्चार के बीच विवाह संपन्न कराया। प्रति जोड़े को करीब 2 लाख रुपए का सामान उपहार स्वरूप प्रदान किया गया। इस अवसर पर दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, हैदराबाद, केरल, अहमदाबाद सहित सवाई माधोपुर करौली जिले के समाज के लोग उपस्थित रहे। मंच संचालन मुरलीधर जांगिड़ ने किया। इस अवसर पर प्रशासन का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

## विश्वकर्मा समाज की कमेटी गठित

छतरपुर। झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज के तत्वावधान में सोमवार को हुटुकदाग पंचायत के करमा गांव में पंचायत कमेटी गठित की गई। इसकी अध्यक्षता सरयू विश्वकर्मा व संचालन झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा व छतरपुर के महासचिव संजय विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से किया। झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज प्रखंड छतरपुर के उपाध्यक्ष सह चुनाव प्रभारी सत्येंद्र विश्वकर्मा ने चुनाव कराया। कहा कि समाज के लोग संगठित होकर अपने समाज को मजबूत करें। हमारे समाज में दहेज लेना व देना दोनों अपराध है। इस प्रथा को हम सभी को आगे आकर रोकना होगा। हूटूकदाग पंचायत गठन में अध्यक्ष कृष्णा विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष सरयू विश्वकर्मा, सचिव सुनील विश्वकर्मा, कोषाध्यक्ष रामसुंदर विश्वकर्मा व मीडिया प्रभारी कुंदन विश्वकर्मा को बनाया गया। बैठक में सैकड़ों की संख्या में विश्वकर्मा समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद थे।

## महिमा विश्वकर्मा ने जीता स्वर्ण पदक

बघराजी। 61वीं नेशनल जूनियर महिला शाटगन शूटिंग प्रतियोगिता में बघराजी की महिमा विश्वकर्मा ने दिल्ली में गोल्ड मैडम जीता है। महिमा शासकीय उमावि में पदस्त शिक्षक कमलेश कुमार विश्वकर्मा, पदमावती विश्वकर्मा की पुत्री हैं। बघराजी कन्या उमावि के प्राचार्य एमएल बागरी, बालक उमावि के प्राचार्य एससी मरावी, राजेश सोनी, महेंद्र विश्व,विनीष साहू, सत्य जैन, डॉ रजनीश, धर्मेन्द्र जायसवाल, अकरम खान आदि ने महिमा के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

असम में आयोजित नेशनल स्कूल गेम्स के वुशू प्रतियोगिता में नरेला, दिल्ली निवासी अंजली पांचाल को 'गोल्ड मेडल' मिला है। अंजली की इस जीत पर पूरे विश्वकर्मा समाज में हर्ष है। कई स्वयंसेवी संस्थाओं एवं सामाजिक नेताओं ने अंजली को बधाई दी है।

# लोहार विकास मंच की बैठक में हुए अहम निर्णय

पटना।लोहार विकास मंच की एक आवश्यक बैठक राम सरेख शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें गया, आरा और पटना के स्थानीय लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने विचार प्रकट किये और संगठन को मजबूत करने की बातें कही। इस बीच लोहार विकास मंच के सचिव गायक अमर विश्वकर्मा ने अपनी वार्ता में कहा कि हम लोहार विकास मंच के बैनर तले 'बेस्ट ऑफ डॉटर इन लॉ' एण्ड 'बेस्ट ऑफ सन' का अवार्ड बहुत जल्द अपने समुदाय यानी लोहार भाइयों के बीच देने के लिए एक योजना बनाएंगे।

बैठक में आए हुए सभी गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार प्रकट करते हुये लोहार विकास मंच को आगे बढ़ाने व एकजुट होने का संकल्प लिया। मंच के प्रदेश अध्यक्ष आर0के0 शर्मा ने सभी आए हुए भाइयों को स्वागत करते हुए कहा कि अभी और जरूरत है संगठन को मजबूत बनाने का, हम सभी को एकमत होने का। अब हमें वोट का अधिकार सरकार को दिखाना है। बहुमत के सवाल पर उन्होंने विशेष बल देते हुए कहा कि बहुत जल्द ही बिहार के प्रत्येक जिले में लोहार विकास मंच का अध्यक्ष होगा और लोहार विकास मंच को पूरे प्रदेश में मजबूत कर अपनी एकजुटता और ताकत का एहसास कराया जायेगा।

सभी आगन्तुकों का अभिनन्दन करते हुये कहा कि आज की इस बैठक का खास उद्देश्य था कि अधिक से अधिक प्रखंड अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष की नियुक्ति की जाय। बैठक में बहुत से लोगों को अध्यक्ष पद से नवाजा भी गया।जिन्हें अध्यक्ष बनाया गया उनमें अखिलेश कुमार ग्राम कुर्था प्रखंड का अध्यक्ष बनाया गया, सुजीत कुमार शर्मा ग्राम कपूर चौक बाजितपुर पोस्ट गोपालपुर नयागांव सोनपुर को सारन जिला यानी छपरा जिला अध्यक्ष बनाया गया, विनय विश्वकर्मा ग्राम रामपुर पोस्ट परसा बाजार फुलवारी शरीफ जिला पटना को प्रखंड अध्यक्ष बनाया गया, यदुनंदन विश्वकर्मा बेलागंज गया को प्रखंड अध्यक्ष बनाया गया, गोपाल शर्मा जय प्रकाश नगर पोस्ट जीपीओ जिला पटना को प्रखंड बनाया गया, पृथ्वीराज शर्मा मठिया पुर पोस्ट जमशेद जिला पटना दानापुर को पटना पश्चिमी का जिलाध्यक्ष बनाया गया, गायक अमरनाथ विश्वकर्मा कुम्हरार को पटना पूर्वी का जिला अध्यक्ष बनाया गया जो पहले से भी सचिव पद एवं कार्यालय प्रभारी के पद पर लोहार विकास मंच के लिए काम करते आ रहे हैं, विनय विश्वकर्मा ग्राम धरारा बेलागंज प्रखंड अध्यक्ष बनाया गया, विकास कुमार ग्राम धरारा को प्रखंड अध्यक्ष बनाया गया।

सभी मनोनीत अध्यक्ष लोगों को पदस्थापित कर उन्हें एक महीना का समय दिया गया है कि एक महीना में अपनी कमेटी गठित कर प्रगति रिपोर्ट प्रधान कार्यालय को सौंपे और प्रदेश अध्यक्ष के पास इसकी सूचना दें। विगत पिछली बैठक में कुछ लोगों को जिलाध्यक्ष और प्रखंड अध्यक्ष के पदों पर नियुक्ति की गई थी, काफी समय बीतने के बाद भी उनका कार्य अभी तक दिखाई नहीं दिया इसलिए सर्वसम्मति से उनको पद से हटाने का निर्णय लिया गया।

मंच संचालक गायक अमर विश्वकर्मा ने अपने वार्ता में कहा कि आपसी रंजिश को भूल कर समाज के काम में एकजुट होना पड़ेगा। सभी को एक साथ कदम से कदम मिलाकर चलना पड़ेगा तभी लोहार जाति का विकास होगा। बैठक में सुनील कुमार शर्मा, सीताराम विश्वकर्मा, अजय कुमार शर्मा, विनय विश्वकर्मा, यदुनंद विश्वकर्मा, विकास विश्वकर्मा, सूर्य ज्योति विश्वकर्मा, संतोष कुमार शर्मा, वरुण मिस्त्री, बृजनंदन विश्वकर्मा, प्रेमकुमार विश्वकर्मा, विनय विश्वकर्मा, रवि शंकर शर्मा, सूरज कुमार विश्वकर्मा, मंतोष कुमार, विनोद कुमार शर्मा, सुमन, शुभम कुमार शर्मा, रामचरित शर्मा, गोपाल शर्मा, सुजीत कुमार शर्मा, रवि प्रकाश शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा, दीपू विश्वकर्मा, शुभम नाथ विश्वकर्मा, अरुण विश्वकर्मा, अखिलेश कुमार, रमाशंकर शर्मा, विशाल विश्वकर्मा सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

लोगों ने बैठक को सराहनीय बताते हुए सभी जिला प्रखंड अध्यक्ष का स्वागत किया। अंत में रामसरेख शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि मैं हर संभव लोहार विकास मंच के लिए तैयार हूं। आगे भी जरूरत पड़ी तो मैं लोहार विकास मंच के लिए तैयार रहूंगा। इसके साथ ही सभी को धन्यवाद देते हुए मीटिंग का धन्यवाद ज्ञापन किया

# मुकुल लोहार के दिये आइडिया से कम समय में हो सकता है ऑनलाइन पेमेंट

सिरोही। शहरके एक युवा को अपने आइडिया की बदौलत स्टेट बैंक आफ इण्डिया के एक एप 'योनो' की लॉचिंग में शामिल किया गया। इस एप की लॉचिंग गत 24 नवंबर को दिल्ली के होटल ताज पैलेस में केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने की। इससे पूर्व महज 45 मिनट का समय देकर युवाओं से इस एप के लिए आइडियाज मांगे गए थे। सिरोही निवासी मुकुल कुमार लोहार इंजीनियरिंग का स्टूडेंट है। अपने ऐसे ही टैलेंट की बदौलत उसे इससे पूर्व फेसबुक और वॉट्सअप की वेबसाइट में बग ढूंढ़ने और हैक करने पर दोनों वेबसाइट्स की ओर से पुरुस्कृत किया जा चुका है।

हाल ही में उसने अंतर्राष्ट्रीय स्तर की ग्लोबल कांग्रेस ऑन साइबर स्पेस 2017 में भाग लिया। इसमें पूरी दुनिया से टैक्नोलॉजी से जुड़े युवा शामिल होते हैं। इस कांग्रेस में कंपीटिशन होते हैं। गत 20 नवंबर को दिल्ली में आयोजित इस कंपीटिशन में ही उसे एसबीआई के एक एप योनो एप के लिए आइडिएशन देने का मौका मिला। इसके चार दिन बार ही इस एप की लॉचिंग हुई। जिसमें मुकुल को बुलाया गया। दिए गए कंपीटिशन के फाइनल तक पहुंचा। इस कांग्रेस में अलग अलग ग्रुप टीम के बीच कंपीटिशंस हुए। मुकुल कुमार का सब्जेक्ट ऑपरेशन टैक्नोलॉजी केप्चर फ्लेग था। जिसके तहत उसे एक वेबसाइट पर बग तलाश

करने थे। मुकुल कुमार इस कंपीटिशन के फाइनल तक पहुंचा। इस कंपीटिशन में भारत के अलावा दूसरे भी कई देशों के युवा शामिल हुए।

## वाट्सएप से मिल चुका है 500 डालर का ईनाम

एपके लिए मांगे सजेशन-

कांग्रेस के दौरान ही एसबीआई बैंक के योनो एप के लिए सजेशंस मांगे गए थे। जिसके लिए 45 मिनट का समय दिया गया। मुकुल कुमार ने इस दौरान अपना कम से कम समय में ट्रांजेक्शन के लिए अपना सजेशन दिया। जिसके बाद उसे इस एप की लॉचिंग में बुलाया गया। इसके लिए मुकुल को दिल्ली तक आने जाने का किराया और वहां ठहरने की व्यवस्था भी की गई।

# केकड़ के गोपाल व सुरेश जांगिड़ होंगे राज्य पुरस्कार से सम्मानित

बाड़मेर। धोरीमन्ना क्षेत्र के केकड़ गाँव के गोपाल जांगिड़ उर्फ गोपाराम व सुरेश जांगिड़ राज्य पुरस्कार से सम्मानित होंगे। इन्हें यह पुरस्कार राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाउड में उत्कृष्ट सेवा कार्य, दक्षता बैज उत्तीर्ण करने, समाज सेवा व विभिन्न जागरुक कार्यक्रमों के लिए दिया जाएगा।

यह दक्षता बैज जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी जोधपुर के फैकल्टी ऑफ साइंस में संचालित 44थ रोवर क्रू के रोवर लीडर डॉ0 शंकरलाल नामा के निर्देशन में प्राप्त किए। यह पुरस्कार आगामी 22 फरवरी को प्रदान किया जाएगा। संगठन से जुड़े रोवर्स, रेंजर्स व जांगिड़ समाज ने खुशी जताई हैं।

# सिद्धार्थ विश्वकर्मा ने जीता गोंडवाना कप

रायपुर। कहते हैं कि दिल में अगर जीत की चाहत और जुनून हो तो मंजिल जरूर मिलती है। पक्के इरादे और जोश के साथ मैदान में उतरे सिद्धार्थ विश्वकर्मा और जीत लिया मध्य भारत का सबसे अधिक 10 लाख राशि वाला गोंडवाना कप। 2 दिसंबर को फाइनल मुकाबले में पंजाब के परमवीर बाजवा को 6-1, 6-4 से हराकर उन्होंने यह खिताब अपने नाम किया।

रायपुर के रहने वाले सिद्धार्थ विश्वकर्मा ने एक वार्ता में बताया कि गोंडवाना कप जीतने के लिए उन्होंने रोज 6 घंटे मेहनत की। वर्ष 2016 में फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था, जिसका बदला लेने की ठानी थी और जीत का जुनून था। उनकी जीत की इस कहानी से साफ है कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। बता दें कि 80 साल से गोंडवाना कप खेला जा रहा है। इससे पहले 2011 में छत्तीसगढ़ के आदित्य तिवारी ने खिताब अपने नाम किया था। पांच वर्ष बाद फिर राज्य के खिलाड़ी ने इस पर कब्जा किया। प्रस्तुत है सिद्धार्थ से हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

सवाल- गोंडवाना कप जीतने के लिए कितने घंटे मेहनत की?

जवाब- मेरे पास दो महीने का समय बचा था। सुबह 3 घंटे और शाम को 3 घंटे जमकर मेहनत की। शाम को 1.30 घंटे प्रैक्टिस और उसके बाद इतना ही समय फिटनेस के लिए दिया।

सवाल- जीतने की ललक कब से थी?

जवाब- 2011 में काफी वर्ष बाद जब गोंडवाना कप शुरू हुआ तब से चाहत थी। 2016 में खिताब के काफी करीब था, लेकिन फाइनल में हार का साकना करना पड़ा। उसी हार का बदला इस वर्ष का खिताब जीतकर चुकाया।

### वर्ष 2016 में भी रहे उपविजेता

सवाल- छत्तीसगढ़ में टेनिस को लेकर क्या संभावनाएं हैं?

जवाब- छत्तीसगढ़ में कई उभरते खिलाड़ी हैं जो टेनिस में प्रदेश के साथ देश का भी नाम रोशन कर सकते हैं। यहां टैलेंट की कमी नहीं है। आर्थिक रूप से कई खिलाड़ी कमजोर हैं, जिस वजह से उनको बेहतर कोचिंग और फिटनेस ट्रेनिंग नहीं मिल पाती। अगर खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलने लगें तो वो आगे जा सकते हैं।

# सामूहिक विवाह में एकसूत्र में बंधे 23 जोड़े

दौसा। राजस्थान के दौसा जिले में एक सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 23 जोड़े एक-दूजे के हो गये। सभी नव विवाहित 23 जोड़ों को प्लॉट गिफ्ट में दिए है। दौसा जिले के मण्डावरी कस्बे में जांगिड़ ब्राह्मण सामाजिक विकास एवं सेवा समिति ने प्रथम सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया था। जिसमें वरिष्ठ समाजसेवी गायत्री देवी जांगिड़ द्वारा प्रत्येक जोड़े को दौसा में 50-50 वर्गगज का प्लॉट भी दिया गया। उनके इस काम की हर ओर प्रशंसा हो रही है।

जांगिड़ ब्राह्मण सेवा समिति की ओर से नवविवाहित जोड़ों को जीवन की नई शुरूआत करने के लिए गिफ्ट में पलंग, घड़ी, बक्सा, जेवर, वर-वधु के कपड़े, रसोई के सामान, छत पंखा आदि दिए गए। सुबह विवाह संस्कार मंत्रोचार के साथ दूल्हों की सामूहिक निकासी बैण्ड बाजों के साथ निकाली। विवाह सम्मेलन दौसा, जयपुर, करौली, सवाई माधोपुर, टोंक सहित अन्य जिलों के सैकड़ों लोगों ने शिरकत की।

इस विवाह समारोह में कान्ती प्रसाद टाइगर, करौली जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश, करौली पूर्व जिला सीताराम, सियाराम पीड़िता, पूर्व मंत्री परसादी लाल मीना, पूर्व मंत्री वीरेन्द्र मीना, सेवानिवृत प्रशासनिक अधिकारी ब्रजमोहन मीना, सेवानिवृत प्रशासनिक पुलिस अधिकारी ठण्डीराम मीना, प्रधान रामकली मीना सहित आदि अतिथि बनकर पहुंचे थे। सभी अतिथियों ने नव दम्पतियों को आशीर्वाद दिया।

## विश्वकर्मा समाज की बैठक आयोजित

शाजापुर। सोमवारिया बाजार स्थित विश्वकर्मा मन्दिर में विश्वकर्मा समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के नवयुवक मण्डल का गठन समाज के वरिष्ठजनों की सहमति से हुआ। समाज के बालकृष्ण वर्मा, राजेन्द्र कारपेन्टर, अशोक कारपेन्टर, महेश सिसौदिया आदि उपस्थित थे। नवयुवक मण्डल के चुने गए सदस्यों को पदों का आवंटन भी किया गया, जिसमें अध्यक्ष कपिल विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा, सचिव यश विश्वकर्मा, सह सचिव कमलेश विश्वकर्मा व कोषाध्यक्ष संजय विश्वकर्मा को बनाया गया।

Vishwakarma Furniture Mart
Manufacturers, Wholesaler & Retailer Of All Kinds Of Artistic Wooden Furniture

Mr. R.S. Vishwakarma
Mob.-9810026510
WOOD WORTH
Office :
A-146, W.H.S, Timber Market,
Kirti Nagar, New Delhi-110015
+91-11-41420356(2356), +91-11-25438140
Mfg Of All Kinds Of Quality Wooden Furniture

# परिजनों से मिलने की चाहत में अफ्रीका से फैजाबाद पहुंचे रामकृष्ण

फैजाबाद। अफ्रीका से अपने पूर्वजों की खोज में आए रामकृष्ण रामनाथ अपने खानदान के सदस्यों से मिलकर मुदित हो उठे। अफ्रीका की जमीं पर पलकर अधेड़ हुए रामकृष्ण रामनाथ को पाकर उनका कुनबा भी प्रफुल्लित हो उठा। गले मिलकर माल्यार्पण किया, महिलाओं ने आरती उतारी।

करीब 130 वर्षों बाद अफ्रीका निवासी रामकृष्ण रामनाथ को उनका पैतृक गांव करौदी मिल गया, जो हैदरगंज थाना क्षेत्र में है। रामकृष्ण रामनाथ को उनके पूर्वजों के पैतृक निवास की सोधी मिट्टी सात समंदर पार से यहां तक खींच लाई। पैतृक गांव में स्वागत से रामकृष्ण रामनाथ निहाल हो गए। वे बताते हैं कि सन 1819 में करौदी निवासी विश्वकर्मा (लोहार) परिवार के भिखारू पानी के जहाज से दक्षिण अफ्रीका कोलकाता होते हुए गए थे और वहीं बस गए। उनके उत्तराधिकारी रामकृष्ण रामनाथ ने जहाज यात्रा के कागजात मिलने के बाद पूर्वजों का गांव खोजने की ठान ली। इस कड़ी में कई दिनों से फैजाबाद के डीएम डॉ0 अनिल कुमार के आदेश पर एसडीएम प्रमोद कुमार तिवारी व तहसीलदार विनीत गुप्त के अथक प्रयास से उनके गांव का पता लगा लिया और राजस्वकर्मी अंकुश वर्मा के साथ हैदरगंज के करौदी गरंव गए। वहां ग्रामवासियों ने उनका स्वागत किया।

पहले ग्रामवासी विदेशी रामकृष्ण को स्थानीय लोग शर्मा समझ बैठे, परन्तु कागज देखा तो विश्वकर्मा (लोहार) होना पाया गया। करौदी गांव से वर्षों पहले जिला विभाजन के बाद इस गांव से विश्वकर्मा परिवार के खदेरू व फेरई थरिया गांव जाकर बस गए जो अब अम्बेडकरनगर जिले में है और जिले की सीमा से सटा है।

चार पीढ़ियों के इस लंबे अंतराल के बावजूद विश्वकर्मा परिवार के छोटेलाल उन्हें अपना मान रहे हैं। 70 वर्षीय श्यामा पत्नी अलगू ने कहा कि हमार बेटवा कहत रहा, माई केहू अपने घर के बाहर रहत है। आवा बेटवा देखा परिवार में तोहार हिस्सा बा। इतना कहते-कहते उसकी आंखें डबडबा आई। इसी तरह जगदंबा प्रसाद कनौजिया ने कहा कि ये विदेशी अलगू विश्वकर्मा परिवार के ही हैं। पैतृक गांव पाकर निहाल हुए रामकृष्ण ने बताया कि लगभग सौ सदस्यों का परिवार अफ्रीका में है।

इस अवसर पर गांव के रमेश पाण्डेय, साधु पाण्डेय, हरि शर्मा, ग्राम प्रधान दिनेश पाण्डेय, उमेश पाण्डेय, झगरू यादव, मंगल शर्मा, दिनेश, रामकेवल आदि लोग उपस्थित रहे।

# हमीरपुर के अतुल शर्मा बने सेना में लेफ्टिनेन्ट कर्नल

हमीरपुर। नादौन ब्लॉक के कोटला चिलियां गांव के 23 वर्षीय अतुल शर्मा भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बने हैं। इंडियन मिलिट्री अकादमी देहरादून में हुई पासिंग आउट परेड में उन्हें यह पद मिला। अतुल शर्मा की प्राथमिक शिक्षा केंद्रीय विद्यालय चेन्नई से हुई है जबकि प्रदेश के एकमात्र सैनिक स्कूल सुजानपुर में उन्होंने छठी कक्षा से ज्वाइन किया था। जमा दो की शिक्षा उन्होंने वहीं से ली। बीएससी नॉन मेडिकल की पढ़ाई राजकीय कॉलेज नादौन से की। परिजनों का कहना है कि अतुल बचपन से ही पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी अव्वल रहा है। सैन्य माहौल में पालन-पोषण होने की वजह से उसे बचपन से ही सैन्य अधिकारी बनने की इच्छा थी। अतुल के पिता देवराज शर्मा भी भारतीय नौसेना में पीआरओ स्पेशल के पद पर से सेवानिवृत्त हुए हैं और वर्तमान में प्राइमरी स्कूल बटराण में मुख्य शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। उनकी माता लता शर्मा गृहिणी है। अतुल के छोटे भाई अक्षय शर्मा नादौन कॉलेज में बीएससी अंतिम वर्ष में पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता गुरुजनों को दिया है।

# Living Style Furniture

Deals in: Home & Office Furniture , Modular Kitchen

Authorised Dealer:- ZUARI FURNITURE | Kosta | Peps | Stellar FURNITURE & LIFESTYLE

BAJAJ FINSERV | 0 INTEREST EASY EMI

Alambagh:- VIP Road Nahar Churaha Alambagh Lucknow-226005

Mob:- 9129082999 , 9129083999

Raebareli Road – SGPGI Road Utrathiya Reabareli RoadLucknow -226002

Mob:- 9129084999 , 9129085999

BAJAJ FINSERV | EMI FINANCE

# एक संकल्प ने बदल दी जगदीश की जिन्दगी

## 15 की उम्र में धूम्रपान से की तौबा, 12 रुपए रोज जमा कर जोड़ ली बड़ी रकम

मंदसौर। महज 15 साल की उम्र में एक कड़ा संकल्प लिया कि 'जिदंगी भर धूम्रपान नहीं करूंगा। और इसके बदले 12 रुपए रोज बचाकर जीवन की बड़ी खुशियां खरीदूंगा'। और 35 साल बाद आज यह छोटी बचत एक बड़ी रकम बनकर 4 लाख रुपए बन गई है। कोटड़ा बुजुर्ग जैसे छोटे से गांव के जगदीश विश्वकर्मा अब 50 वर्ष के हो गए हैं। छोटी सी बचत से पहले कच्चे घर को सपनों का आशियाना बनाया। बच्चों का घर भी बसाया और अब बचत की राशि से उनका बुढ़ापा भी संवरेगा।

कोटड़ा बुजुर्ग के जगदीश विश्वकर्मा किसी मिसाल से कम नहीं। एक छोटा सा अच्छा और सही समय पर लिया गया फैसला जिदंगी में कितना बड़ा सुखद बदलाव ला सकता है, यह उनका जीवन बताता है। 15 वर्ष की उम्र में ही पिता के साथ मकान बनाने (कारीगरी) का कार्य करने लगे। इसी उम्र के दोस्तों को गुटखा व धूम्रपान पर रुपए उड़ाते देख फैसला किया कि जिदंगी भर न तो धूम्रपान करुंगा और न ही गुटखा खाऊगा। इसके बदले रोजाना कुछ रुपए बचाऊगा।

छोटी सी बचत जब बड़ी होने लगी तो घर में खुशियां भी दौड़ आई। 25 सालों में घर पर ही गुल्लक में 2 लाख रुपए जोड़ लिए। इन रुपयों से कच्चे घर को तोड़कर पक्का बना लिया। बचत यहीं नहीं रुकी। 10 साल पहले जगदीश ने डाक घर में 12 रुपए रोज का खाता

खुलाया था। उस खाते से वर्ष 2020 में 1.30 लाख रुपए उसे मिलेंगे। अब तक उन्हे 10-10 हजार रुपए की तीन किश्ते भी मिल चुकी है। इसी बीच छोटी-सी बचत से 2014 में अपने बेटे सोनू एवं बेटी अर्चना की भी धूमधाम से शादी की। इससे पहले बेटे को कॉलेज तक शिक्षा भी दिलाई। जगदीश विश्वकर्मा ने बताया कि आने वाली राशि से बुढ़ापे की जरुरते पूरी करुंगा।

रिश्तेदारों को बताते हैं धूम्रपान नहीं करने के फायदे-

जगदीश विश्वकर्मा बताते हैं कि उन्हें शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा सहित सभी तरह के नशों से नफरत है। कभी, रिश्तेदारी में आने-जाने के दौरान कोई धूम्रपान करते हुए दिख जाता है तो वे उसे टोककर बस यही समझाने लग जाते हैं कि नशे से शरीर और धन दोनों की बर्बादी हो रही है, इससे जितना दूर रहोगे उतना सुखी रहोगे। कई बार हंसी के पात्र भी बन जाते हैं पर वे परवाह नहीं करते और अच्छी सीख देते हैं।

बेटा भी पिता की राह पर-

धूम्रपान और नशे से नफरत के कारण ही जगदीश विश्वकर्मा की गांव व समाज में अच्छी छवि है। मकान बनाने का कार्य करते हुए बचत से खुशियां एकत्र करने वाले पिता की इस नेक शिक्षा का असर बेटे पर भी पड़ा। बेटा सोनू भी पिता की तरह पोस्ट ऑफिस में बचत के रुपए जमा करने लगा। वह 50 रूपए रोज बचत करता है उसके भी उद्देश्य वही है जो पिता के थे। जगदीश की पत्नी धापूबाई ने भी अलग खाता खुलवाया है जिसमें घर खर्च के बाद बचने वाले रुपए जमा कर रही है। धापूबाई के खाते में भी 10 हजार रुपए है। नशीली वस्तुओं को त्यागकर बचतकर रहा परिवार अपनी इस आदत से बहुत खुश है।


**Advocate Surjeet Vishwakarma**

**Tax Consultant (Income Tax, GST)**

Mobile No.-9454680601, 9044375200

**Office address-**

5B/79 Vrindavan Colony, Telibagh, Lucknow (Mon-Fri)

369, Kalakankar road Shitalmau, Lalganj, pratapgarh (Sat-Sun)

# मोहन प्रसाद विश्वकर्मा ने बनाया स्पीडो मीटर

नवादा। बिहार के नवादा निवासी मोहन प्रसाद विश्वकर्मा ने साबित कर दिया है कि आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है। अपनी लगन और मेहनत से उन्होंने एक ऐसे यंत्र का इजाद किया जो न केवल समय की बचत करता है बल्कि पैसे भी बचाता है।

मोहन प्रसाद विश्वकर्मा पेशे से इलेक्ट्रिक मैकेनिक हैं और नवादा के हिसुआ जैसे छोटे जगह में इलेक्ट्रॉनिक सामानों की रिपेयरिंग करते हैं। इस काम में इनका काफी लंबा अनुभव है। मोहन ने एक ऐसे यंत्र का निर्माण किया जो बाइक के खराब पाट्र्स की जानकारी देती है। यदि कोई पाट्र्स खराब हो गया तो यह यंत्र उसकी पहचान आसानी से कर लेता है।

ऐसे काम करती है मशीन-

यदि बाइक का स्पीडो मीटर में उसका किलोमीटर इंडिकेटर खराब हो तो मिस्त्री इस पूरे सेट को बदलने की सलाह देता है लेकिन मोहन प्रसाद द्वारा इजाद किये इस यंत्र की मदद से स्पीडो मीटर के खराब पाट्र्स की जानकारी आसानी से हो जाती है। पूरा स्पीडो मीटर न बदल सिर्फ उसके एक पाट्र्स को बदलकर इसे एक बार फिर से इस्तेमाल लायक बनाया जा सकता है।

# बढ़ई समाज के पुश्तैनी रोजगार को छीन रही बड़ी कम्पनियां: उपेन्द्र

गया। देश के विकास मे बढ़ई समाज का योगदान प्राचीन काल से रहा है, लेकिन मौजूदा समय मे बड़ी-बड़ी कम्पनियां इनके पुस्तैनी रोजगार को छीन रहा है। केन्द्र व राज्य की सरकारों को इन्हें संरक्षण देने की जरूरत हैं। ये बातें बाराचट्टी के सोभ बाजार स्थित जीएस मैरिज हाल में आयोजित बढ़ई विश्वकर्मा सम्मेलन एवं सह जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह में उद्घाटन भाषण देते हुए बिहार विधान परिषद के सदस्य सह प्रकाशन समिति के अध्यक्ष डा0 उपेन्द्र प्रसाद ने कहा। उन्होंने ने कहा कि जाति से जमात बनाने की जरूरत है, तभी लक्ष्यों की प्राप्ति संभव है।

उन्होंने ने नितीश सरकार का नाम लिए बिना कहा कि सामाजिक सहयोग के बिना शराबबंदी संभव नहीं हो सकता। उन्होंने न्बेटियों को पढ़ाने पर जोर दिया। इसके पूर्व आगत अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर समारोह का उद्घाटन किया गया तथा सम्मेलन में आये पंचायत प्रतिनिधियों को शाल भेंट कर सम्मानित किया गया।

इसमें बाराचट्टी, मोहनपुर एवं डोभी प्रखंडों के बड़ी संख्या में आये मुखियों, पंचायत समिति सदस्यों, वार्ड सदस्यों व पंच शामिल हुए।

सामारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पधारे लोजपा के राष्ट्रीय महासचिव डा0 सत्यानन्द शर्मा ने कहा कि बढ़ई विश्वकर्मा समाज को अनुसूचित जाति में शामिल किया जायेगा। इसके लिए समाज के लोगों को एकजुट होकर तन-मन-धन से संघर्ष को तैयार होना पड़ेगा। इस अवसर पर पदाधिकारीगण व काफी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

# जतिंगाः रहस्यमयी गांव, जहां पक्षी आत्महत्या करने आते हैं

कई पक्षी विज्ञानियों का मानना है कि इस दुर्लभ घटना की वजह चुंबकीय शक्ति है। जब नम और कोहरे-भरे मौसम में हवाएं तेजी से बहने लगती हैं तो रात के अंधेरे में पक्षी रोशनी के आस-पास उड़ने लगते हैं।

जतिंगा भारत सहित विश्वभर के पक्षी विज्ञानियों के लिए रहस्यमय स्थान है, क्योंकि हर साल यहां बड़ी संख्या में पक्षी आत्महत्या करने आते हैं।

पक्षियों के अनूठे रहस्य का गांव-

सुबह सवेरे उठकर आप घूमने निकलें और अचानक से रास्ते में ढेर सारे पक्षी मरे हुए नजर आएं तो आप क्या समझेंगे? शायद यही कि किसी प्राकृतिक आपदा ने इन्हें अपना शिकार मिला लिया या फिर कोई प्राकृतिक परिवर्तन, या फिर अधिकतम सोचेंगे कि शायद हवा में जहर है जिस कारण ऐसा हुआ होगा। इसके बाद अगर यही घटना हर साल किसी खास महीने में होने लगे तो आप क्या कहेंगे? जाहिर है एक प्राकृतिक रहस्य मानकर इसे जानने की कोशिश करेंगे। ऐसा ही एक रहस्य असम के एक बेहद ही सुंदर और छोटे से गांव जतिंगा का है। यहां साल में एक बार एक साथ कई पक्षी आत्महत्या करने आते हैं।

खूबसूरत लेकिन है रहस्यमयी-

जतिंगा असम के उत्तरी काछार पहाड़ी में स्थित एक बेहद ही सुंदर वैली है। यह क्षेत्र विशेष कर अपने नारंगी के बागों के लिए प्रसिद्ध है और लोग दूर-दूर से यहां घूमने आते हैं। साथ ही यहां पक्षियों के समूह में आत्महत्या करने के हादसे ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। विशेषकर मानसून के दौरान कोहरे वाले महीनों में यहां पक्षियों की आत्महत्या की घटनाएं देखने को मिलती है, लेकिन कभी-कभी अमावस में भी कोहरे के दौरान पक्षियों के आत्महत्या की घटनाएं दिख जाती हैं। ये घटना शाम को लगभग 7 बजे से लेकर 10 बजे के बीच का होती है।

समूह में करते हैं आत्महत्या-

यहां पर सबसे आश्चर्य की बात यह है कि कोई अकेला पक्षी आत्महत्या नहीं करता, बल्कि सामूहिक रूप से सभी आत्महत्या कर लेते हैं। वहीं इस आत्महत्या में कोई एक प्रजाति का पक्षी शामिल नहीं होता है, बल्कि यहां उपलब्ध लगभग सभी प्रकार के प्रवासी पक्षियों द्वारा ऐसा किया जाता है। जैसे कि किंगफिशर, टाइगर बाइटन और लिटिल एग्रीट जैसे पक्षी इस रहस्यमय मौत का शिकार होते हैं। अब आपके मन में सवाल उठ रहा होगा कि क्यों एक साथ इतनी संख्या में पक्षी आत्महत्या करते हैं?

नहीं पता कारण-

जतिंगा पक्षी आत्महत्या को लेकर अब तक कई खोज हुए हैं और इसके पीछे कई तर्क भी दिए गए हैं। परंतु सच कहा जाए तो अब तक ऐसा कोई भी तर्क नहीं आया है जिसे सुनकर आप पूरी तरह से सहमत हो जाएं। कुल मिलाकर कहा जाए तो रहस्य का खुलासा नहीं हुआ है।

कई पक्षी विज्ञानियों का मानना है कि इस दुर्लभ घटना की वजह चुंबकीय शक्ति है। जब नम और कोहरे-भरे मौसम में हवाएं तेजी से बहने लगती हैं तो रात के अंधेरे में पक्षी रोशनी के आस-पास उड़ने लगते हैं। यह ऐसा समय होता है जब वह मदहोशी में होते हैं और तेजी से उड़ने के दौरान वे आसपास पेड़ और दीवार से टकराकर मर जाते हैं। हालांकि स्थानीय निवासी इसे भूत-प्रेत की बाधा से जोड़ कर देखते हैं।

रातें हुई पहाड़ बताओ मैं क्या करूँ,
वो दिल गई उजाड़ बताओ मैं क्या करूँ।
इजहारे इश्क जो किया तो उसने गाल पर,
मारे हैं ताड़-ताड़ बताओ मैं क्या करूँ।
पल्लू से उसके फिर से मैं बँध जाऊँ दोस्तों,
कोई नहीं जुगाड़ बताओ मैं क्या करूँ।
क्या दिन थे वो हसीन कभी छत पे राह में,
होती थी छेड़छाड़ बताओ मैं क्या करूँ।
मेरे खिलाफ उसने कटा दी एफआईआर,
जाना है अब तिहाड़ बताओ मैं क्या करूँ।
तन्हा हूँ और सिर्फ है तन्हाई मेरे साथ,
गायब है भीड़भाड़ बताओ मैं क्या करूँ।

-राम अवध विश्वकर्मा
ग्वालियर, म0प्र0

उस बेवफा की याद में रोता हूँ रात दिन,
अब मारकर दहाड़ बताओ मैं क्या करूँ।
आया खराब वक्त तो कमबख्त वक्त ने,
मुझको दिया पछाड़ बताओ मैं क्या करूँ।
मैंने तो तेरे इश्क में सब कुछ लुटा दिया,
गिरवीं है माँस हाड़ बताओ मैं क्या करूँ।
हड़तालियों ने खौफ से अपने ही आप जब,
तम्बू लिया उखाड़ बताओ मैं क्या करूँ।
आया जो रात देर से बीवी ने क्लास ली,
जमकर पड़ी लताड़ बताओ मैं क्या करूँ।

वो कबूतर बाज के पंजे में है।
फिर भी कहता है भले चंगे में है।
हम उसे बूढ़ा समझते हैं मगर,
एक चिन्गारी उसी बूढ़े में है।
ये सियासत आज पहुँची है कहाँ,
एक नेता हर गली कूचे में है।
वो मजा शायद ही जन्नत में मिले,
जो मजा छुट्टी के दिन सोने में है।
इस सियासत में फले फूले बहुत,
कितनी बरकत आपके धंधे में है।
नींद जो आती है खाली खाट पर,
वो कहाँ पर फोम के गद्दे में है।

विश्वकर्मा समाज के समाचारों की एकमात्र साप्ताहिक पत्रिका

# विश्वकर्मा किरण
(हिन्दी साप्ताहिक)

## पाठकों एवं शुभचिन्तकों से अनुरोध

प्रिय बन्धुओं, सादर विश्वकर्माभिवादन !

आप सभी जानते हैं कि ''विश्वकर्मा किरण'' हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका पिछले 18 वर्ष से समाज के अधिकांश समाचारों, विचारों और लेखों के साथ आप सभी के बीच एक पहचान बना चुका है। पत्रिका ने समाज के हर छोटे-बड़े समाचारों, लेखकों के विचार, समाज के कवियों और साहित्यकारों को तवज्जो दिया है। अधिकांश पाठक और शुभचिन्तक यह अच्छी तरह जानते हैं कि समाचारपत्र अथवा पत्रिका का प्रकाशन कार्य बहुत ही कठिन है। प्रकाशन में बहुत खर्च आता है जिसका संकलन बहुत ही कठिनाई से हो पाता है, इन्हीं परिस्थितियों में कभी-कभार प्रकाशन बाधित भी हो जाता है। प्रकाशन बिना आप सभी के सहयोग के नहीं चल सकता। आप सभी से अनुरोध है कि सदस्यता के अलावा भी समय-समय पर यथासम्भव पत्रिका का आर्थिक सहयोग करते रहें जिससे प्रकाशन निर्बाध रूप से चलता रहे।

सहयोग राशि इस खाते में जमा करें-

| | | |
|---|---|---|
| Account Name | : | VISHWAKARMA KIRAN |
| Account No. | : | 4504002100003269 |
| Bank Name | : | PUNJAB NATIONAL BANK |
| Branch | : | SHAHGANJ, JAUNPUR (U.P.) |
| IFSC Code | : | PUNB0450400 |

# Raju Panchal

**Managing Director**

**Mo- 09810594537**

# Ganga Electronics
## (Pvt Ltd)

**Manufacturer of:**

**Sheet Metal Components, Sheet Metal Tools**
**Turn Components, All Type of Assembly**
**& Precession Component of Electrical & Mechanical**

138, Anand Industrial Estate Mohan Nagar, GAZIABAD (U.P.)

TM VEW Vishwakarma Engineering Works
ALL KIND OF NEW MACHINERY
TEXTILE MACHINES &
ALL VALUE ADDED FABRIC MACHINES MANUFACTURER
BSCIC NABCB ISO 9001 REGISTERED

Vijay R. Mistry
Mob.-9825154496

# VISHWAKARMA ENGINEERING WORKS

Shearing Machine

Warr Center Cutting Machin

Warp Butta Cutting Machine

Roll Press Machine

Calendar Machine
& Bags Polish

Five Roll Calendar
& Iron Press Mac

-Office Address-

Plot No.64, Vinayak Chambers, Jawahar Road, Road No.– 4, Udhna Udhyog Nagar, Surat–394210 (Gujarat)
Factory-Plot No.B/1,73-74,Bhagwati Ind. Estate, Nr Navin Flourine Colony, Bhestan, Surat.
PHONE NO. : +91-261-2274380, CELL : +91-9825154496,
e-mail address : vijayr.mistry@yahoo.com website : http://vishwakarmaengineering.com
http://www.vishwakarmaengineeringwork.in/ http://www.vishwakarmaengineeringwork.com/
https://www.youtube.com/channel/UCdpT7D2K_DHwXGYnZ-Qo_Iw